सच लिखना अगर बगावत है तो समझो हम भी बागी है।।

सर्व धर्म शक्ति

मुजफ्फरनगर व राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली से एक साथ प्रकाशित

एकता ही प्रतीक हमारा

सम्पादक : जी.के. शर्मा

फोन :-7668376851 :-9759551311

email : sarvdharmshakti@gmail.com sdsimediacenter2009@gmail.com

प्रबंध संपादक : आदेश शर्मा

हे राम, वाहे गुरु या अल्लाह, हे यीशू। सेवा ही संकल्प हमारा

हिन्दी साप्ताहिक समाचार पत्र

वर्ष : 22 अंक : 20 रविवार, 26 मई से 01 जून 2024 मूल्य : 2 रुपया प्रति

संक्षिप्त समाचार

यूसीसी कब ला रही सरकार? पीएम मोदी ने दे दिया बड़ा हिंट

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शुक्रवार को कांग्रेस पर मुस्लिम पर्सनल लश्व की आड़ में इस्लामिक कानून शरिया का समर्थन करने का आरोप लगाया। हिमाचल प्रदेश के मंडी में एक चुनावी रैली को संबोधित करते हुए प्रधान मंत्री ने समान नागरिक संहिता (यूसीसी) के कार्यान्वयन की वकालत की, जो कानूनों का एक सामान्य सेट है जो सभी धर्मों के प्रथागत कानूनों को समाहित करेगा और विवाह, तलाक, विरासत और रखरखाव जैसे मुद्दों को नियंत्रित करेगा। प्रधानमंत्री ने रैली में कहा कि मोदी ने समान नागरिक संहिता लागू करने का वादा किया है। चाहे कोई भारतीय नागरिक हिंदू, मुस्लिम, सिख, ईसाई या बौद्ध हो, सभी के लिए एक समान नागरिक कानून होना चाहिए। हालांकि, कांग्रेस पार्टी समान नागरिक संहिता का विरोध कर रही है। कांग्रेस मुस्लिम पर्सनल लॉ की आड़ में शरिया कानून का समर्थन करती है। मोदी ने यह भी कहा कि लोकसभा चुनाव में मंडी निर्वाचन क्षेत्र से भाजपा की उम्मीदवार कंगना रनौत युवाओं और हमारी बेटियों की आकांक्षाओं का प्रतिनिधित्व करती हैं। उन्होंने मंडी के लोगों से अभिनेता के खिलाफ अपमानजनक बयान देने के लिए कांग्रेस को करारा जवाब देने का आग्रह किया, जिसे उन्होंने मंडी और हिमाचल प्रदेश का अपमान भी बताया। कांग्रेस अभी भी उसी पुरानी मानसिकता में फंसी हुई है। क्या आपने देखा है कि कांग्रेस उन बेटियों को क्या कहती है जो अपने दम पर सफलता हासिल करती हैं?

- गाजीपुर में पीएम मोदी की हुंकार, बोले- वंचितों का जो अधिकार है, मोदी उसका चौकीदार है
- मतदान उनके अनुकूल नहीं हो रहा, इसलिए गड़बड़ी के आरोप लगा रहे, घाटी में वोटिंग को लेकर विपक्ष पर जितेंद्र सिंह का तंज
- चुनाव में गड़बड़ी की आशंका को लेकर मप्र कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष ने कार्यकर्ताओं को सतर्क रहने को कहा
- छठे चरण का मतदान संपन्न, 58 लोकसभा सीटों पर डाले गए वोट
- लखनऊ में 15-16 जून को होगा अंतर्राष्ट्रीय व्यापारी सम्मेलन का आयोजन, 40 देशों के प्रतिनिधि होंगे शामिल
- बदलते घाटी की कहानी कश्मीरी पंडित की जुबानी, 32 साल बाद डाला अपना वोट
- पाकिस्तान के कब्जे वाला कश्मीर हमारा है और हम उसे लेकर रहेंगे : अमित शाह
- मछली, मटन, मंगलसूत्र और अब मुजरा..., पीएम मोदी के बयान पर भड़का विपक्ष, महिलाओं का बताया अपमान
- पुणे प्रशासन पब के प्रवेश व निकास द्वार पर निगरानी के लिए वेबकास्टिंग पर विचार कर रहा
- बक्सर में पीएम मोदी का विपक्ष पर बड़ा वार, बोले-सीएए हटाने और घुसपैठियों को एंट्री दिलाने के लिए वोट चाहता है विपक्षी गठबंधन
- अग्निवीर योजना को लेकर राहुल गांधी पर बरसे अमित शाह, लगाया झूठ फैलाने का आरोप
- केरल घूमने गए थे टूरिस्ट, गेगल मैप से असिस्ट कर चला रहे थे कार, नदी में जा गिरे
- विभव कुमार ने दायर की जमानत याचिका, कोर्ट ने दिल्ली पुलिस से मांगा जवाब
- निर्दलीय विधायक राकेश दौलताबाद की गुरूग्राम में हृदयाघात से मृत्यु
- चीन ने हमारी जमीन पर अतिक्रमण कर लिया, लेकिन प्रधानमंत्री मोदी चुप हैं : खरगे
- चार जून को उप्र से भाजपा का सफाया हो जाएगा : अखिलेश यादव
- गाजियाबाद में महिलाओं के शौचालय में कैमरा लगाने के आरोप में पुजारी के खिलाफ मामला दर्ज
- अब चार लोग टोपी पहनकर जमीन पर कब्जा नहीं कर पाते हैं : योगी
- इंडी गठबंधन वाले देश के लिए खतरा, पीएम मोदी बोले- ये फिर से पाकिस्तान को दोस्ती के पैगाम भेजेंगे
- आजम खान को हाईकोर्ट से मिली बड़ी राहत, सात साल की सजा पर रोक, क्या जेल से बाहर आएंगे?
- स्वाति मालीवाल मामले में विभव कुमार को बड़ा झटका, 4 दिन की न्यायिक हिरासत में भेजा गया

मुसलमानों को लेकर मोदीफोबिया झूठा या सच्चा?

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी तीसरी बार लोकसभा चुनाव के मैदान में हैं। सबका साथ-सबका विकास और सबका विश्वास की टर्म के साथ मोदी अपने चुनावी अभियान में नजर आते हैं। वर्तमान राजनीति में मोदी जब भी अल्पसंख्यकों का जिक्र करते हैं तो अक्सर विपक्ष इसे मोदी को मुस्लिम विरोधी साबित करने में जुट जाता है। बीजेपी और मोदी इस पर अपनी कितनी भी बातें कहें, लेकिन यहाँ भी मामला सिफ्र ही ठहरता है। हाल ही में मोदी ने अपने एक इंटरव्यू में कहा- मोदी मुसलमानों से अपने प्रेम का प्रचार नहीं करता है, विकास की बात करता है। इसके पहले भी पीएम मोदी के द्वारा- पूर्व प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह के श्देश के संसाधनों पर पहला अधिकार, मुसलमानों का है। इस बयान के बाद सियासी पारे में बढ़ोत्तरी हुई थी। इस वक्त मोदी अपने चुनावी अभियान में- धार्मिक आधार पर कांग्रेस शासित राज्य सरकारों के द्वारा दिए जाने वाले आरक्षण के खिलाफ लगातार हमला बोल रहे हैं। पीएम मोदी लगातार कह रहे हैं कि- वे एससी, एसटी, ओबीसी का आरक्षण किसी हाल में खत्म नहीं होने देंगे। विपक्ष मोदी के इस बयान को भी मुस्लिम विरोध से जोड़ रहा है।

अब फ्लैश बैक सहारे तथ्यों की पड़ताल करते हैं....और देखते हैं कि मोदी को लेकर चलने वाले मोदीफोबिया की हकीकत और फसाना क्या है? 2014 में मोदी के प्रधानमंत्री बनने के एक साल बाद ही वर्ष 2015 में असहिष्णुता और कट्टरता बढ़ने का आरोप लगाया जाने लगा...। मोदी को घेरने के लिए अवार्ड वापसी अभियान चलाया गया....लेकिन इसके ठीक 2 वर्ष बाद 2017 में मोदी ने- मिशन यूपी को 312 सीटों के साथ प्रचंड बहुमत से जीत लिया। यूपी के 2017 के इलेक्शन में बीजेपी मुस्लिम बहुल मानी जाने वाली सीटें भी जीतने में सफल रही। इनमें प्रमुख रूप से- देवबंद, मुरादाबाद नगर, कांठ, रूदौली, थाना भवन जैसी विधानसभा सीटें रहीं। बीजेपी के द्वारा मुस्लिम बहुल इन सीटों के जीतने पर उस वक्त सियासी पंडितों ने माना कि- बीजेपी इन सीटों को मुस्लिमों के समर्थन के बिना नहीं जीत सकती थी।

आगे चलकर मोदी 2019 के लोकसभा चुनाव में भी दोबारा जीत कर आए और अपनी इस टर्म में मोदी ने कुछ समय बाद ही ताबड़तोड़ फैसले लेने चालू कर दिए। 30 जुलाई 2019 को मोदी के नेतृत्व वाली बीजेपी सरकार ने तीन तलाक पर कानून पारित कर दिया, और इसे असंवैधानिक घोषित कर दिया। मोदी ने कहा था कि- सरकार ने मुस्लिम महिलाओं को तीन तलाक से मुक्ति दिलाई जिससे उनके अधिकारों की रक्षा संभव हुई। जब मोदी सरकार ने तीन तलाक को लेकर कानून बनाया, उस वक्त भी विपक्ष ने उन्हें घेरा था। और तीन तलाक कानून के खिलाफ मुहिम तेज की थी। यह एक ऐसा मामला था जो 1980 के दशक में भी खासा चर्चित रहा। उस वक्त शाहबानो प्रकरण में सुप्रीम कोर्ट के फैसले को तत्कालीन प्रधानमंत्री राजीव गांधी ने पलट दिया था। राजीव गांधी सरकार में मंत्री रहे वर्तमान में केरल के राज्यपाल आरिफमोहम्मद खान ने सरकार के फैसले के विरोध में इस्तीफा दे दिया था। 2019 में ही ठीक एक महीने बाद 5 अगस्त 2019 को मोदी सरकार ने अपना एक और ऐतिहासिक फैसला लिया और कश्मीर से धारा 370 और 35 ए को समाप्त कर दिया। जोकि 9 अगस्त 2019 को कानून बन गया। भारत की राजनीति में यह एक ऐसा लाइलाज मर्ज था जिसका उपचार असंभव माना जाता था। उस समय भी विपक्ष ने इसे मुस्लिम विरोधी बताने का प्रयास किया था। जबकि

कश्मीर से धारा 370 की समाप्ति का.... मुस्लिम विरोध से दूर-दूर तक लेना-देना नहीं था। धारा 370 को समाप्त करना एक ऐसा ऐतिहासिक कदम था जो काश्मीर से आतंकवाद, अलगाववाद खत्म करने और विकास की मुख्यधारा में जोड़ने का काम किया। मोदी के दूसरे टर्म में ही फिर आती है एक और तारीख 9 नवम्बर 2019 की। इस दिन वर्षों से चल रहे श्रीरामजन्मभूमि विवाद पर सुप्रीम कोर्ट ने अपना सुप्रीम फैसला सुनाया। इसी के साथ ही राममंदिर निर्माण के द्वार खुल गए। जब रामजन्मभूमि का फैसला आया, उस वक्त भी जमकर सियासी बवाल मचा था। लेकिन यह एक ऐसा मामला था जिस पर विपक्ष चाहकर भी ज्यादा दिन विरोध न कर सका.... और मोदी को वॉक ओवर मिलता हुआ दिखा। पीएम मोदी अपने दूसरे कार्यकाल के शुरुआती समय से ही कई बड़े फैसले लेने लगे। उन्हीं फैसलों में से एक था... 2019 में लाया गया नागरिकता संशोधन कानून। इस कानून के द्वारा- पाकिस्तान, बंग्लादेश और अफगानिस्तान से धार्मिक आधार पर उत्पीड़न का शिकार हुए शरणार्थियों को नागरिकता देने का प्रावधान किया। इसमें हिंदू, मुस्लिम, बौद्ध, सिख, पारसी और ईसाई शामिल हैं। सीएए के आते ही भ्रामक रूप से यह प्रचार किया जाने लगा कि यह मुस्लिम विरोधी कानून है। इससे मुसलमानों की नागरिकता छीन ली जाएगी। इस आधार पर मोदी को घेरने की कवायद की जाती रही। दिल्ली के शाहीन बाग में पूरा अखाड़ा जमा लिया गया था। वहाँ से लगातार मोदी को गालियाँ दी जाती रहीं...और फिर मोदी विरोध का यह अभियान 2020 में... दिल्ली दंगों के तौर पर जाना गया। ये वो वक्त था जब अमेरिका के तत्कालीन राष्ट्रपति ट्रंप भारत दौरे पर थे। उस वक्त शाहीन बाग में हुए दंगे से सैकड़ों लोगों को अपनी जान से हाथ गवाँना पड़ा था।

तमाम राजनीतिक विश्लेषकों ने माना कि- तत्कालीन समय में ट्रंप के दौरे के समय, शाहीन बाग के दंगों का होना। विश्व में भारत की छवि धूमिल करने का प्रकरण ही समझ आया। उस दौरान आईबी के अंकित शर्मा, हेड कांस्टेबल रतनलाल जैसे कुछ बहुचर्चित मामलों ने सबको झकझोर कर रख दिया था.... वहीं हेड कांस्टेबल दीपक दहिया के ऊपर दंगों के दौरान शाहरूख पठान नामक युवक ने बंदूक तान दी थी..जिस पर आगे चलकर अदालत ने उस पर आरोप भी तय किए थे। अब प्रश्न यही उठता है कि- क्या सीएए कानून को लेकर शाहीन

.....शेष पृष्ठ तीन पर

चंद पैसों के लिए अमूल्य प्राकृतिक संसाधनों की बर्बादी करना कब छोड़ेंगे लोग

गर्मी का मौसम शुरू हो चुका है और बढ़ता हुआ टेंपरेचर लोगों को लगातार डरा रहा है लगातार बढ़ते टेंपरेचर को देखकर लोग भयभीत नजर आ रहे हैं दिल्ली एनसीआर में तापमान 47 डिग्री तक पहुंच चुका है जबकि अभी मई माह चल रहा है इस बढ़ती गर्मी में लोग तरह-तरह की समस्याओं का सामना कर रहे हैं इन तरह-तरह की समस्याओं में से हम एक समस्या का वर्णन आज करेंगे जल 'जल ही जीवन है, जल है तो कल है' ऐसे स्लोगन हम अपने जीवन में दिन प्रतिदिन पढ़ते तो है लेकिन इन्हें गंभीर नहीं लेते। भारत के कई राज्यों में और उनके कई शहरों में पानी लगभग समाप्त हो चुका है, परंतु जहां पीने का पानी अभी भी बचा हुआ है वहां उसका दुरुपयोग बहुत ज्यादा मात्रा में किया जा रहा है। मैं भी एक गांव से संबंधित हूं जिसका नाम गांव घिटोरा है जो जिला

बागपत में गाजियाबाद बश्वर्डर पर पड़ता है, हमारे गांव में सिंचाई के पर्याप्त साधन नहीं है, ना तो कोई नहर है। कुछ जलकूप मात्र है जिसे लोग बाग सिंचाई करते हैं और जो पीने का साफ पानी है जिसे पीने के पानी का जलस्तर लगातार घटता जा रहा है। परंतु इसके बावजूद कुछ लोग धान की फसल उगा रहे हैं जिसमें ट्यूबवेल रात दिन चलते रहते हैं, यह फसल हमारे जैसे क्षेत्र के लिए तो बिल्कुल भी नहीं है जो कि पहले ही डार्क जोन में है। अब इसे लोग कुछ पैसों के लालच में उगा रहे हैं या फिर जागरूकता नहीं होने के कारण इनमें से कोई भी कारण हो सकता है परंतु जाने अनजाने में वह अपने और अपने बच्चों के भविष्य के साथ खिलवाड़ ही कर रहे हैं, यह समस्या मेरे ही गांव की नहीं बल्कि ऐसे पता नहीं कितने गांव की है सभी से हाथ जोड़कर विनम्र प्रार्थना है कि यह अमूल्य धरोहर समाप्त न होने दे इसका दुरुपयोग न होने दे खुद जागरूक बने और दूसरों को भी जागरूक करें। हम और आपसे ही समाज है हम और आप बदलेंगे तो पूरा समाज बदल जाएगा। **नरेंद्र बैसला, गांव घिटोरा, जिला बागपत (उत्तर प्रदेश)**

मतगणना दिवस की तैयारियों को एडीएम ने किया निरीक्षण

मुजफ्फरनगर। लोकसभा चुनाव का छठा चरण शनिवार को पूर्ण हो चुका है। ऐसे में चार जून को होने वाली मतों की गणना और परिणाम घोषणा को लेकर नवीन मण्डी स्थल पर स्ट्रांग रूम और मतगणना चबूतरों का निरीक्षण करते हुए तैयारियों को परखा। भारत निर्वाचन आयोग के निर्देशानुसार एवं जिलाधिकारी अरविन्द मल्लप्पा बंगारी के दिशा निर्देशन में शनिवार को अपर जिलाधिकारी प्रशासन उप जिला निर्वाचन अधिकारी नरेन्द्र बहादुर सिंह द्वारा अपनी टीम के साथ लोकसभा निर्वाचन 2024 के परिणामो के दृष्टिगत कूकडा मण्डी स्थित स्ट्रांग रूमो का निरीक्षण कर वोटो की गिनती की तैयारियो का जायजा लिया गया, जिसमें एडीएम द्वारा मतगणना केन्द्र की सुरक्षा व्यवस्थाओ को सम्पूर्ण रूप से सुदृढ़ करने हेतु सम्बन्धित को निर्देशित किया गया। इसी क्रम में एडीएम प्रशासन द्वारा मतगणना ऐजेन्टों की विधानसभावार नियुक्ति व प्रशिक्षण तथा उनके पास जारी करना, मतगणना टेबिल, मतगणना में लगने वाले कर्मचारियो का प्रशिक्षण, काउंटिंग का राउंडवार एलाउन्समेन्ट, आब्जर्वर आरओ के लिए उचित व्यवस्था, मतगणना की ससमय फीडिंग, पोस्टल बैलेट पेपर की गिनती हेतु मतगणना टेबिल व कर्मचारियो का प्रशिक्षण, परिसर की साफ-सफाई, वीडियोग्राफी, मतगणना स्थल पर विद्युत की आपूर्ति, जलपान, बैठने की व्यवस्था आदि तैयारियो की व्यवस्थाओ को ससमय पूर्ण करने हेतु सम्बन्धित को निर्देशित किया गया। इस दौरान पुलिस अधीक्षक अपराध प्रशांत कुमार, क्षेत्रधिकारी नई मंडी रूपाली राय व कृषि विभाग के अधिकारी सहित सीआरपीएफ व पीडब्ल्यूडी के अधिकारी भी मौजूद रहे।

क्रान्तिसेना ने की जौहरा अनाथालय की जांच कराने की मांग

मुजफ्फरनगर। क्रांतिसेना ने संधावली बाईपास पर पिछले 22 सालों से संचालित

हो रहे जोहरा अनाथालय की संदिग्ध गतिविधियों की उच्चस्तरीय जाँच करने की मांग को लेकर डीएम कार्यालय पर प्रदर्शन किया तथा मुख्यमंत्री को सम्बोधित ज्ञापन एसडीएम को सौंपा, जिसमें जांच कराने की मांग की गयी है। क्रांतिसेना नेताओं ने अनाथालय के दो बच्चों के चितौडा झाल में डूब जाने व अनाथालय के 165 बच्चों के संदिग्ध रूप से गायब हो जाने की घटना पर सवाल खड़ा करते हुए कहा कि एक सप्ताह पूर्व राष्ट्रीय बाल अधिकार सरक्षण आयोग के अध्यक्ष प्रियंक कानूनगो द्वारा अनाथालय के संचलकों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कराये जाने तथा अनाथालय मे चल रही गड़बड़ियों की जाँच के बीच बच्चों का डूबना और 165 बच्चों का गायब होना साबित करता है कि मामले मे कहीं ना कहीं जिला प्रोबेशन अधिकारी व बाल सरक्षण अधिकारी की सालिप्ता है। ज्ञापन में मांग करते हुए कहा कि 22 वर्षो से बिना पंजीकरण के चल रहे अनाथालय के संचालकों को गिरफ्तार कर इसकी उच्च स्तरीय जांच कराई जाए और जिला प्रोबेशन अधिकारी और बाल संरक्षण अधिकारी की भूमिका की जांच कराई जाए। साथ ही अनाथालय में रह रहे बच्चों के आने के स्रोत व अनाथालय में आय के स्रोत का भी पता लगाया जाए। क्रांति सेना नेताओ ने चेतावनी देते हुए कहा की यदि जल्दी ही हमारी मांगों पर कार्यवाही न की गई तो जिम्मेदार अधिकारियों का जोरदार घेराव करते हुए बड़ा आंदोलन किया जाएगा। इस अवसर पर मुख रूप से प्रदेश महासचिव मनोज सैनी, प्रदेश उपाध्यक्ष डा. योगेंद्र शर्मा, मंडल अध्यक्ष शरद कपूर, जिला अध्यक्ष महिला मोर्चा पूनम चौधरी, वरिष्ठ नेता राजेश कश्यप, जिला महासचिव देवेंद्र चौहान, जिला उपाध्यक्ष अमित गुप्ता, आशीष शर्मा, जिला सचिव प्रदीप कोरी, सुनील सैनी, नरेंद्र शर्मा, जिला महासचिव अंजू त्यागी, नगर अध्यक्ष नेहा गोयल, पूनम चाहल, मिथलेश देवी, दिग्विजय सिंह चौधरी, नितिन पवार, शैलेंद्र शर्मा और सोनू कश्यप आदि उपस्थित रहे।

कांग्रेस को 85-100 सीटें मिलेंगी, प्रशांत किशोर के बाद, योगेन्द्र यादव ने भी माना आएंगे तो मोदी ही

नई दिल्ली। प्रशांत किशोर और अमेरिकी चुनाव विशेषज्ञ इयान ब्रेमर के बाद, चुनाव विशेषज्ञ से नेता बने योगेन्द्र यादव ने भी लोकसभा चुनाव को लेकर अपना आंकलन किया है। योगेंद्र यादव ने अनुमान जताया है की भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) एक और आम चुनाव जीतने वाली है। इसके साथ ही कांग्रेस पार्टी की चुनावी वापसी की उम्मीद धूमिल हो जाएगी। हालाँकि, यादव के अनुसार, मौजूदा लोकसभा चुनावों में कांग्रेस पार्टी के लिए उम्मीद की किरण होगी। इसकी सीटों की संख्या 100 तक पहुंच सकती है। भारतीय जनता पार्टी के पक्ष में अपनी भविष्यवाणी के लिए सोशल मीडिया पर

आलोचना झेल रहे किशोर ने यादव की सीट के पूर्वानुमान का समर्थन किया। उन्होंने कहा कि यादव के अनुसार, भाजपा 240-260 सीटें और उसके सहयोगी 34-45 सीटें जीतेंगे - जिसका मतलब है कि एनडीए की कुल सीटें 275 और 305 के बीच हो सकती हैं। प्रशांत किशोर ने एक्स पर लिखा कि देश में चुनाव और सामाजिक राजनीतिक विषयों की समझ रखने वालों में एक विश्वसनीय चेहरा योगेंद्र यादव जी ने लोकसभा चुनाव का अपना फाइनल आकलन साझा किया है। योगेन्द्र जी के मुताबिक इन चुनावों में बीजेपी को 240-260 और एनडीए की साथी दलों को 35-45 सीटें मिल सकती हैं। मतलब बीजेपी/एनडीए को 275-305 सीटें। देश में सरकार बनाने के लिए 272 सीटें चाहिए और वर्तमान में बीजेपी/एनडीए की 303/323 सीटें हैं। अब खुद आकलन कर लीजिए कि किसकी सरकार बन रही हैं। बाकी 4 जून को पता चल जाएगा कि कौन किसकी बात कर रहा है।

बकौल यादव, कांग्रेस को 85 से 100 सीटें मिलने की संभावना है। इंडिया ब्लॉक, जो भाजपा के रथ को अपने ट्रैक पर रोकने की उम्मीद करता है, 120-135 सीटों पर सिमट जाने की संभावना है। 2019 के आम चुनाव में कांग्रेस को सिर्फ52 सीटें मिली थीं। किशोर ने इस सप्ताह एक साक्षात्कार में कहा कि भाजपा आराम से बहुमत का आंकड़ा पार कर लेगी क्योंकि सत्तारूढ़ पार्टी और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के खिलाफ कोई महत्वपूर्ण असंतोष नहीं है।

सुप्रीम कोर्ट से खारिज हुई 3 नए क्रिमिनल कानूनों के खिलाफ याचिका

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने सोमवार (20 मई) को भारतीय न्याय संहिता 2023 सहित तीन नए आपराधिक कानूनों की व्यवहार्यता की जांच, आकलन, पहचान करने के लिए एक विशेषज्ञ समिति गठित करने के निर्देश देने की मांग वाली याचिका पर विचार करने से इनकार कर दिया। तीन नए आपराधिक कानून पिछले साल 21 दिसंबर को संसद में पारित किए गए थे और राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने 25 दिसंबर को अपनी सहमति दी थी। तीन कानून, भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता, 2023, भारतीय न्याय संहिता, 2023 और भारतीय साक्ष्य अधिनियम, 2023 1 जुलाई, 2024 से लागू होगा। ये कानून क्रमशः औपनिवेशिक युग के भारतीय दंड संहिता, आपराधिक प्रक्रिया संहिता और 1872 के भारतीय साक्ष्य अधिनियम की जगह लेंगे। तीनों कानूनों का उद्देश्य विभिन्न अपराधों और उनकी सजाओं की परिभाषा देकर देश में आपराधिक न्याय प्रणाली को पूरी तरह से बदलना है। इससे पहले इस साल 20 अप्रैल को भारत के

मुख्य न्यायाधीश डीवाई चंद्रचूड़ ने इस बात पर प्रकाश डाला था कि नए आपराधिक कानूनों का अधिनियमन एक संकेतक है कि भारत बदल रहा है और आगे बढ़ रहा है। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि उनके अधिनियमन ने आपराधिक न्याय पर भारत के कानूनी ढांचे को नए युग में बदल दिया है। सीजेआई भारतीय न्याय संहिता, 2023 का जिक्र कर रहे थे। भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता, 2023य और भारतीय साक्ष्य अधिनियम, 2023, जो पहले के आपराधिक कानूनों, अर्थात् भारतीय दंड संहिता 1860, आपराधिक प्रक्रिया संहिता, 1973 और भारतीय साक्ष्य अधिनियम, 1872 की जगह लेगा। नए कानून 1 जुलाई से लागू होंगे। भारत तीन नए आपराधिक कानूनों के आगामी कार्यान्वयन के साथ अपनी आपराधिक न्याय प्रणाली में एक महत्वपूर्ण बदलाव के लिए तैयार है। भारतीय न्याय संहिता, भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता और भारतीय साक्ष्य अधिनियम क्रमशः भारतीय दंड संहिता 1860, दंड प्रक्रिया संहिता 1973 और भारतीय साक्ष्य अधिनियम 1872 का स्थान लेंगे। कानून और न्याय मंत्रालय द्वारा भारत की आपराधिक न्याय प्रणाली पर आयोजित एक सम्मेलन को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा था, ये कानून हमारे समाज के लिए एक महत्वपूर्ण क्षण का संकेत देते हैं क्योंकि कोई भी कानून आपराधिक कानून की तरह हमारे समाज के दैनिक आचरण को प्रभावित नहीं करता है।

सर्व धर्म शक्ति

सम्पादकीय

भारत में जनसंख्या असंतुलन की समस्या

भारत में 1951 में कुल प्रजनन दर 5.9 थी, जो 1981 में घटकर 4.80 और 2011 में 2.56 हो गई। हाल ही में आए आंकड़ों के अनुसार 2024 में भारत में कुल प्रजनन दर 2.12 तक पहुंच गई है। गौरतलब है कि जनसांख्यिकी सिद्धांत के अनुसार जब किसी देश की कुल प्रजनन दर 2.1 से नीचे गिरती है, तो उस देश की जनसंख्या कुछ समय बाद घटने लगती है। इसलिए प्रजनन दर का 2.12 तक पहुंचना जनसंख्या के लिए खतरे की घंटी है। पिछले कुछ समय से भारत में कुल प्रजनन दर में लगातार गिरावट के कारण अब यह स्पष्ट होता जा रहा है कि हम ऐसी स्थिति में पहुंच चुके हैं, जहां से कुछ समय बाद वास्तविक जनसंख्या में कमी आनी शुरू हो जाएगी। गौरतलब है कि चीन में ऐसी स्थिति पहले ही आ चुकी है। यूरोप के कई देश भी इसी स्थिति से गुजर रहे हैं। अफ्रीका के बाद भारत भी उन चंद देशों में शामिल है, जहां जनसंख्या में वृद्धि हो रही है, लेकिन अब भारत में भी जनसंख्या में कमी आने की आशंका जताई जा रही है। लेकिन ऐसे में पीएमईएसी की रिपोर्ट यह भी संकेत देती है कि भले ही आने वाले समय में कुल जनसंख्या में कमी आएगी, लेकिन उसमें भी हिंदुओं की जनसंख्या, जो पहले से ही आनुपातिक रूप से कम हो रही है, इसमें निरपेक्ष रूप में भी कमी होनी शुरू हो सकती है, जबकि मुस्लिम जनसंख्या में वृद्धि जारी रहेगी। हम कह सकते हैं कि हिंदू जनसंख्या के नुकसान की भरपाई मुस्लिम जनसंख्या में वृद्धि से होगी। प्रधानमंत्री की आर्थिक सलाहकार परिषद (पीएमईएसी) द्वारा हाल ही में जारी की गई रिपोर्ट के अनुसार 1950 से लेकर 2015 तक कुल जनसंख्या में बहुसंख्यक हिंदू आबादी की हिस्सेदारी में 7.82 प्रतिशत की कमी आई है, जबकि मुस्लिम आबादी की हिस्सेदारी में 43.15 प्रतिशत की वृद्धि हुई है। रिपोर्ट में आगे कहा गया है कि कई अन्य देशों में भी, जहां बहुसंख्यक आबादी गैर-मुस्लिम थी, उसकी हिस्सेदारी में कमी आई है और अल्पसंख्यक आबादी जो मुस्लिम है, की हिस्सेदारी बढ़ी है। यह प्रवृत्ति म्यांमार और नेपाल में भी देखी गई। पाकिस्तान और बांग्लादेश में जहां मुस्लिम खुद बहुसंख्यक हैं, उनकी हिस्सेदारी बढ़ी है। यानी सवाल अल्पसंख्यकों की आबादी बढने का नहीं, बल्कि दुनिया में मुस्लिम आबादी बढने का है, जिसका असर यूरोप समेत दुनिया के अधिकांश देशों में देखा जा रहा है। अगर बात सिर्फभारत की करें तो जहां 1950 में हिंदुओं की आबादी का हिस्सा 84.68 प्रतिशत था, वो 2015 तक घटकर सिर्फ78.06 प्रतिशत रह गया, जबकि इसी दौरान मुस्लिम आबादी का हिस्सा 1950 में 9.84 प्रतिशत से बढकर 2015 में 14.09 प्रतिशत हो गया। गौरतलब है कि भारत की कुल जनसंख्या 1951 में 36.1 करोड़ से बढकर 2015 में 132.29 करोड़ हो गई और इसी तरह हिंदू, मुस्लिम, सिख, ईसाई समेत सभी समुदायों की आबादी में भी बढ़ोतरी हुई है। लेकिन खास बात यह है कि मुस्लिम आबादी की वृद्धि दर अन्य सभी जातीय समूहों से ज्यादा रही है। जबकि, हिंदू आबादी 1951 में 30.57 करोड़ से बढकर 2001 में 82.75 करोड़ हुई (यानी 2.0 प्रतिशत वार्षिक वृद्धि दर), मुस्लिम आबादी 3.55 करोड़ से बढकर 13.8 करोड़ हो गई (2.75 प्रतिशत की भारी वार्षिक वृद्धि दर), सिखों की जनसंख्या 0.69 करोड़ से बढकर 1.94 करोड़ हो गई और ईसाइयों की जनसंख्या 0.83 करोड़ से बढकर 2.41 करोड़ हो गई, यानी 50 वर्षों में क्रमशरू 2.09 प्रतिशत और 2.15 प्रतिशत की वार्षिक वृद्धि दर। कुछ लोगों का तर्क है कि पिछले दो दशकों में मुस्लिम जनसंख्या वृद्धि की गति धीमी हो गई है। हालांकि, यह सच है कि 2001 से 2015 के बीच विभिन्न जातीय समूहों की जनसंख्या वृद्धि दर में गिरावट आई है, लेकिन मुस्लिम जनसंख्या वृद्धि अभी भी अन्य धार्मिक समूहों से बहुत आगे है। हम देखते हैं कि वर्ष 2001 और 2015 के बीच हिंदुओं, मुसलमानों, सिखों और ईसाइयों की जनसंख्या वृद्धि दर क्रमशरू 1.61, 2.17, 1.68 और 1.82 रही। इस रिपोर्ट से सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि भारत ही नहीं, बल्कि पूरी दुनिया में यह नैरेटिव फैलाया जा रहा है कि भारत में अल्पसंख्यकों, खास तौर पर मुसलमानों को दबाया और सताया जाता है, लेकिन आंकड़े इस नैरेटिव को पूरी तरह से नकारते हैं। जनगणना और अन्य रिपोर्टों से पता चलता है कि निरक्षर और कम शिक्षित महिलाओं में कुल प्रजनन दर 2011 में 3.17 रही। लेकिन स्नातक या उससे ऊपर की महिलाओं में प्रजनन दर जो 1991 में 1.62 थी, 2011 में घटकर 1.40 रह गई और अभी भी इसमें और गिरावट की पूरी संभावना है। इसी तरह, स्नातक से कम शिक्षित अन्य महिलाओं में भी प्रजनन दर अपेक्षाकृत कम होती है। यदि हम शिक्षा के मामले में विभिन्न धार्मिक समूहों की तुलना करें, तो यह स्पष्ट है कि मुस्लिम समुदाय अभी भी हिंदुओं की तुलना में कहीं अधिक पिछड़ा हुआ है और इसलिए संभावना है कि मुस्लिम आबादी में वृद्धि जारी रहेगी, जबकि हिंदू आबादी में गिरावट आ सकती है। उल्लेखनीय है कि 2001 की जनगणना के अनुसार हिंदुओं में साक्षरता दर 65.8 प्रतिशत थी, जबकि मुसलमानों में यह केवल 59.1 प्रतिशत थी। अगर हम उच्च शिक्षा की बात करें तो हम देखते हैं कि 2001 में 18 से 25 वर्ष की आयु वर्ग में मुस्लिम समुदाय में स्नातक और अधिक शिक्षित लोगों की संख्या केवल 6.7 प्रतिशत थी, जबकि हिंदुओं में यह 12.5 प्रतिशत थी। शिक्षा और कुल प्रजनन दर के बीच संबंधों को देखते हुए, हम सहज रूप से कह सकते हैं कि कम शिक्षित मुस्लिम महिलाएं अधिक बच्चों को जन्म देती हैं, जबकि अधिक शिक्षित महिलाओं में प्रजनन दर कम होती है। यानी मुस्लिम आबादी में वृद्धि और हिंदू आबादी में कमी को हिंदुओं और मुसलमानों के बीच शिक्षा के स्तर में अंतर से भी समझाया जा सकता है। एक आम धारणा है कि मुसलमान अपनी परंपराओं, दर्शन और धार्मिक मान्यताओं के कारण बड़े परिवार रखते हैं।

शिवाजी महाराज के शासनकाल की आर्थिक नीतियां

इतिहास के किसी भी खंडकाल में भारतीय सनातन संस्कृति का अनुपालन करते हुए किए गए समस्त प्रकार के कार्यों में सफलता निश्चित मिलती आई है। ध्यान में आता है कि भारतीय आर्थिक दर्शन भी सनातन संस्कृति के अनुरूप ही रहा है। छत्रपति शिवाजी महाराज भी हमारे वेदों एवं पुराणों में वर्णित नियमों के अनुसार ही अपने राज्य में आर्थिक नीतियों का निर्धारण करते थे। अपनी रियासत के नागरिकों को किसी भी प्रकार का कष्ट नहीं हो और वे परिवार सहित अपने लिए दो जून की रोटी की व्यवस्था आसानी से कर सकें, इसका विशेष ध्यान आपके शासनकाल में रखा जाता था। उस खंडकाल में नागरिकों के लिए रोजगार हेतु कृषि क्षेत्र ही मुख्य आधार था। कृषि गतिविधियों के साथ साथ पशुपालन कर ग्रामों में निवासरत नागरिक अपने एवं अपने परिवार का भरण पोषण सहज रूप से कर पाते थे एवं अति प्रसन्नचित तथा संतुष्ट रहते थे, हालांकि कालांतर में व्यापार एवं उद्योग को भी बढ़ावा दिया जाने लगा था। विश्व के कई भागों में सभ्यता के उदय से कई सहस्त्राब्दी पूर्व, भारत में उन्नत व्यवसाय, उत्पादन, वाणिज्य, समुद्र पार विदेश व्यापार, जल, थल एवं वायुमार्ग से बिक्री हेतु वस्तुओं के परिवहन एवं तत्संबंधी आज जैसी उन्नत नियमावलियां, व्यवसाय के नियमन एवं करारोपण के सिद्धांतों का अत्यंत विस्तृत विवेचन भारत के प्राचीन वेद ग्रंथों में प्रचुर मात्रा में मिलता है। प्राचीन भारत में उन्नत व्यावसायिक प्रशासन व प्रबंधन युक्त अर्थतंत्र के होने के भी प्रमाण मिलते हैं। हमारे प्राचीन वेदों में कर प्रणाली के सम्बंध में यह बताया गया है कि राजा को अत्यधिक कराधान रूपी अत्याचार से विरत रहना चाहिए। कौटिल्य के अनुसार करों की अधिकता से प्रजा में दरिद्रता, लोभ, असंतोष, विराग आदि भाव उपजते हैं। राजा द्वारा, स्मृतियों द्वारा निर्धारित, कर के अतिरिक्त अन्य कर लगाया जाना निछिद्ध था। कर की मात्रा वस्तुओं के मूल्य एवं समय पर निर्भर होती थी। राजा सामान्यतया उपज का छठा भाग ले सकता था। हां आपत्ति के समय अतिरिक्त कर लगाने की केवल एक बार की छूट रहती थी। अनुर्वर भूमि पर भारी कर नहीं लगाया जाता था। कर सदैव करदाता को हल्का लगे, जिसे वह बिना किसी कठिनाई व कर चोरी के चुका सके। जिस प्रकार मधुमक्खी पुष्पों से बिना कष्ट दिए मधु लेती है, उसी प्रकार राजा को प्रजा से बिना कष्ट दिए कर लेना चाहिए। कर प्रणाली के माध्यम से आर्थिक असमानता एवं घाटे की वित्त व्यवस्था पर अंकुश लगाया जाता था। चुंगी को भी कर की श्रेणी में शामिल किया जाता था, जो क्रेताओं एवं विक्रेताओं द्वारा राज्य के बाहर या भीतर ले जाने या लाए जाने वाले सामानों पर लगती थी। राजा के पास राजकोष के लिए तीन साधन थे- उपज पर राजा का भाग, चुंगी एवं दंड। इस प्रकार राजकोष पर प्राचीन ग्रंथों में अत्यंत विस्तृत व व्यावहारिक विमर्श पाया जाता है।

शिवाजी महाराज के राज्य में प्रारम्भिक काल में व्यापार बहुत कम मात्रा में होता था और राज्य की अर्थव्यवस्था की स्थिति बहुत अच्छी नहीं थी। इस राज्य में उस समय चौथ एवं सरदेशमुखी, यह दो प्रकार के कर प्रचलन में थे। नागरिकों को राज्य में सुरक्षा प्रदान करने के एवज में चौथ नामक कर लगाया जाता था। इस प्रकार का कर अन्य रियासतों द्वारा भी अपने नागरिकों से वसूला जाता था, उस खंडकाल में यह एक सामान्य कर था, जिसके अंतर्गत किसानों एवं श्रमिकों को यह आश्वासन दिया जाता था कि राज्य पर किसी भी बाहरी आक्रमण के समय इन नागरिकों को प्रशासन द्वारा सुरक्षा प्रदान की जावेगी। दूसरी ओर, सरदेशमुखी नामक कर प्रचलन में था। इस कर प्रणाली के अन्तर्गत, राज्य द्वारा जमीन पर अर्जित की गई आय का 10 प्रतिशत हिस्सा कर के रूप में किसानों से वसूल किया जाता था। शिवाजी महाराज ने 1660 के दशक के शुरुआती वर्षों में ही उक्त वर्णित दोनों प्रकार के कर अपने नागरिकों से लेना शुरू कर दिए था। सरदेशमुखी कर वसूल करते समय प्रशासन द्वारा इस बात का ध्यान जरूर रखा जाता था कि जिन किसानों की जमीन कम उपजाऊ है, उनसे कर की वसूली कम दर पर की जाय ताकि इस श्रेणी के किसानों को अपने एवं परिवार के जीवन यापन में किसी भी प्रकार की परेशानी नहीं हो। कौन सी जमीन अधिक उपजाऊ एवं कौन सी जमीन कम उपजाऊ है, यह जानने के लिए समय समय पर सर्वेक्षण भी कराए जाते थे और इस सर्वेक्षण के परिणामों के आधार पर ही विभिन्न किसानों के लिए कर की दर निर्धारित की जाती थी। साथ ही कर की अधिकतम

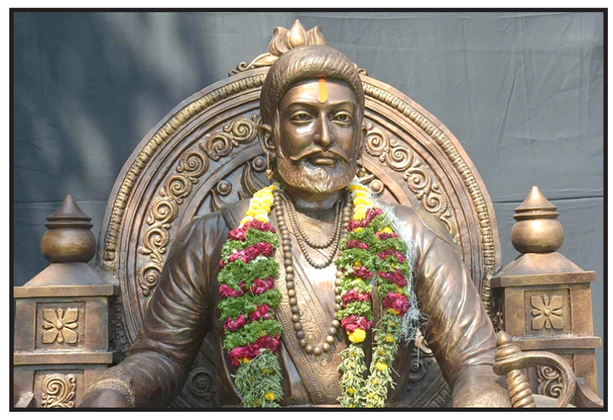

राशि भी निर्धारित की जाती थी एवं यह कुल उपज के एक तिहाई से अधिक नहीं रखी जाती थी। सरदेशमुखी मानक कर केवल उपज पर ही लगाया जाता था।

शिवाजी महाराज के राज्य में खेती-बाड़ी ही राजस्व का मुख्य और लगभग इकलौता जरिया था, अत: शिवाजी महाराज का प्रशासन परती जमीन पर खेती करने वालों को उचित रियायतें भी प्रदान करता था। इन किसानों से कम दर पर कर लिया जाता था। कई बार तो पहले चार वर्षों के लिए प्रशासन द्वारा पट्टे पर दी गई जमीन पर किसानों से कोई किराया ही नहीं वसूला जाता था, पांचवें साल में आधा किराया वसूला जाता था और फिर उसके बाद पूरा किराया वसूला जाता था। शिवाजी महाराज के प्रशासन द्वारा उस खंडकाल में जारी एक सर्कुलर से यह पता चलता है कि शिवाजी महाराज द्वारा किसानों को आवश्यकता पड़ने पर ब्याज मुक्त ऋण भी प्रदान किया जाता था, ताकि किसान अपने कृषि कार्य को सुचारू रूप से जारी रख सकें। प्रशासन के नियमों के अनुसार किसानों से केवल मूलधन की राशि ही वापिस ली जाती थी और वह भी किश्तों में। शिवाजी महाराज के शासनकाल में कृषि क्षेत्र पर दबाव कम करने के उद्देश्य से नमक उद्योग को भी बढ़ावा दिया गया था एवं नमक उद्योग में राज्य ने भी अपना निवेश किया था। इससे किसानों के लिए यह आय का एक अतिरिक्त स्त्रोत बनकर उभरा था। शिवाजी महाराज के राज्य में प्रशासन द्वारा नमक उद्योग को बढ़ावा दिए जाने के पूर्व नमक का आयात पुर्तगाली व्यवसाईयों के माध्यम से होता था। राज्य में नमक के आयात को कम करने एवं अपने राज्य में उत्पादित नमक के उपयोग को बढ़ावा देने के उद्देश्य से पुर्तगाल से आयात किए जाने वाले नमक पर प्रशासन ने आयात कर को बढ़ा दिया था ताकि आयातित नमक की कीमत बाजार में अधिक हो जाए एवं राज्य के व्यापारी नमक आयात करने के लिए निरुत्साहित हों तथा स्थानीय नमक उत्पादनकर्ताओं के हित सुरक्षित हो सकें। इस प्रकार, आयात कर का चलन शिवाजी महाराज के शासन काल में ही प्रारम्भ हुआ था। शिवाजी महाराज के प्रशासन द्वारा नमक उद्योग को प्रदान की गई विशेष सुविधाओं के चलते कुछ समय पश्चात तो राज्य से नमक का निर्यात भी होने लगा था जिससे धीरे धीरे पानी के जहाज बनाने का उद्योग भी राज्य में फलने फूलने लगा था। कालांतर में पानी के जहाजों का इस्तेमाल राज्य में नौ सेना के लिए भी किया जाने लगा था। विशेष रूप से अरब सागर को नियंत्रित करने और अपने साम्राज्य के तटीय क्षेत्रों को सुरक्षित करने के उद्देश्य से शिवाजी महाराज ने एक दुर्जेय नौसैनिक बेड़ा बनाया था। इस प्रकार शिवाजी महाराज ने समुद्री सुरक्षा के सामरिक महत्व को बहुत पहिले ही समझ लिया था। आपकी नौसेना ने न केवल कोंकण तट को समुद्री खतरों से बचाया था, बल्कि हिंद महासागर के व्यापार मार्गों में यूरोपीय शक्तियों के प्रभुत्व को भी चुनौती दी थी।

महात्मा बुद्ध की शिक्षाओं से लें प्रेरणा

यही वजह भी है कि इनकी शिक्षाओं को विद्यार्थियों के चरित्र निर्माण के दृष्टिगत स्कूलों के पाठ्यक्रम में भी सम्मिलित

आचार्य सूर्यांश भारतीय
प्रभारी दिल्ली
उ0प्र0 सर्व धर्म शक्ति संगठन

किया गया है। बुद्ध का शाब्दिक अर्थ है जागा हुआ, एनलाइटेन्ड अर्थात जिसे सत्य और आत्मज्ञान की प्राप्ति हो चुकी हो। यहां इसका तुच्छ अर्थ केवल राजा शुद्धोधन के पुत्र सिद्धार्थ से नहीं है, बल्कि उनके पहले भी अनेक समाधिस्थ व्यक्तियों को चौतन्यता, सत्य और जीवन के रहस्यों से साक्षात्कार होने के कारण बुद्ध की श्रेणी में रखा गया है। इस प्रकार देखें तो अपने को जानने की यह तपस्या और क्रिया बाद में भी तथा भविष्य में भी निरंतर चलती रहेगी। भगवान बुद्ध का जन्म वैशाख मास की पूर्णिमा को हुआ था, इसलिए इस दिन को बुद्ध पूर्णिमा के नाम से भी जाना जाता है। आज भारतवर्ष में बुद्ध पूर्णिमा का पर्व हर्षोल्लास पूर्वक मनाया जा रहा है। इतिहासकारों के अनुसार बुद्ध के जीवनकाल को 563-483 ई. पू. के मध्य माना गया है। अधिकांश लोग नेपाल के लुम्बिनी नामक स्थान को बुद्ध का जन्म स्थान मानते हैं। गौतम बुद्ध की मृत्यु उत्तर प्रदेश के कुशीनगर में 80 वर्ष की आयु में हुई थी। बुद्ध पूर्णिमा का संबंध बुद्ध के जन्म से ही नहीं है, बल्कि इसी पूर्णिमा तिथि को वर्षों वनों में भटकने व कठोर तपस्या करने के पश्चात बोधगया में बोधिवृक्ष नीचे बुद्ध को सत्य का ज्ञान हुआ था। इसके पश्चात महात्मा बुद्ध ने अपने ज्ञान के प्रकाश से पूरी दुनिया में एक नई रोशनी पैदा की और वैशाख पूर्णिमा के दिन ही कुशीनगर में उनका महापरिनिर्वाण हुआ भी था। इस प्रकार देखें तो उनका जन्म, सत्य तथा ज्ञान की प्राप्ति और महापरिनिर्वाण एक ही दिन यानी वैशाख पूर्णिमा के दिन ही हुआ था। आज भौतिकतावाद और जीवन की आपाधापी के बीच बौद्ध जीवन मार्ग और महात्मा बुद्ध के संदेशों का महत्व और बढ़ गया है। बुद्ध की शिक्षाएं प्रत्येक काल एवं परिस्थितियों में मानवमात्र का मार्गदर्शन

करती आई हैं।

यही वजह भी है कि इनकी शिक्षाओं को विद्यार्थियों के चरित्र निर्माण के दृष्टिगत स्कूलों के पाठ्यक्रम में भी सम्मिलित किया गया है। बुद्ध का शाब्दिक अर्थ है जागा हुआ, एनलाइटेन्ड अर्थात जिसे सत्य और आत्मज्ञान की प्राप्ति हो चुकी हो। यहां इसका तुच्छ अर्थ केवल राजा शुद्धोधन के पुत्र सिद्धार्थ से नहीं है, बल्कि उनके पहले भी अनेक समाधिस्थ व्यक्तियों को चौतन्यता, सत्य और जीवन के रहस्यों से साक्षात्कार होने के कारण बुद्ध की श्रेणी में रखा गया है। इस प्रकार देखें तो अपने को जानने की यह तपस्या और क्रिया बाद में भी तथा भविष्य में भी निरंतर चलती रहेगी। यदि बुद्ध की शिक्षाओं को पढ़ें तो उनके अनुसार मनुष्य को सदैव शुभ कर्म करते हुए अशुभ तथा पाप कर्मों से विरक्त रहना चाहिए। यदि आदमी शुभ कर्म करे तो उसे उन्हें बार-बार करना चाहिए, उसी में चित्त लगाना चाहिए क्योंकि शुभ कर्मों का संचय सुखकर होता है। जिस काम को करके आदमी को पछताना न पड़े और जिसके फल को वह आनंदित मन से भोग सके, उसी काम को करना श्रेयस्कर है। महात्मा बुद्ध का मानना था कि उच्च चरित्र, शील एवं सदाचार की सुगंध चन्दन, तगर तथा मल्लिका जैसे फूलों की सुगंध से भी बढकर होती है। मनुष्यों को चाहिए कि वे पाप कर्म न करें, प्रमाद से बचें और किसी भी मनुष्य की धन-संपत्ति पर कुदृष्टि न रखें। धन की वर्षा होने भी आदमी की कामना की पूर्ति नहीं होती है। बुद्धिमान आदमी जानता है कि कामनाओं की पूर्ति में अल्प स्वाद है और दुख है। इसी प्रकार लोभ से दुरूख पैदा होता है, लोभ से भय पैदा होता है। जो व्यक्ति लोभ से मुक्त है उसके लिए न दुरूख है न भय है। जो शीलवान है, जो प्रज्ञावान है, जो न्यायवादी है, जो सत्यवादी है तथा जो अपने कर्त्तव्य को पूरा करता है उससे लोग प्यार करते हैं। वाणी से बुरा वचन न बोलना, किसी को कोई कष्ट न देना, विनयपूर्वक नियमानुसार संयत रहना यही बुद्ध की देशना है। बुद्ध अहिंसा में विश्वास रखते थे, इसलिए वे न जीव हिंसा करो न कराओ के सिद्धांत में विश्वास रखते थे। महात्मा बुद्ध की शिक्षाओं में वर्णित है कि आदमी को चाहिए कि क्रोध को अक्रोध से जीतें, बुराई को भलाई से जीतें, लोभ को उदारता से जीतें और झूठ को सच्चाई से जीतें। सत्य बोलें, क्रोध न करें एवं कम होने पर भी दान करें। आदमी को चाहिए कि क्रोध का त्याग कर दे, अभिमान को छोड़ दे और सब बंधनों को तोडकर ईश्वर की शरणागति हो ले। शांत आदमी जय-पराजय की चिंता छोडकर सुखपूर्वक सोता है। इसलिए प्रत्येक प्राणी को अपने मन, वचन और कर्म से यह संकल्प लेना श्रेयस्कर रहेगा कि हे ईश्वर! अगर तू कहीं है तो मुझे इतनी शक्ति जरूर देना कि मैं, महात्मा बुद्ध के बताए गए आदर्शों का पालन दृढ़ता से कर पाऊं। बौद्ध धर्म दुनिया का पहला ऐसा विश्व धर्म है जो अपने जन्मस्थान से निकलकर विश्व में दूर दूर तक फैला। आज विश्व के 20 से अधिक देशों में बौद्ध धर्म बहुसंख्यक या प्रमुख धर्म के रूप में है। विश्व में लाओस, कम्बोडिया, भूटान, थाईलैण्ड, म्यांमार और श्रीलंका ये छह देश 'अधिकृत' बौद्ध देश हैं, क्योंकि इन देशों के संविधानों में बौद्ध धर्म को राजधर्म या राष्ट्रधर्म का दर्जा प्राप्त है। आज भौतिकतावाद के जमाने में प्रायरू हमारा मन और चित्त अशांत रहता है, ऐसे समय में महात्मा बुद्ध के उपदेश हमें मानसिक शांति और अभय प्रदान करते हैं। वस्तुतरू मनुष्य को सभी शारीरिक एवं मानसिक कष्टों से मुक्ति दिलाना ही सभी धर्मों का मूल है। हमारे शास्त्रों में वर्णित है कि, 'धार्यते इति धर्मः'। इस प्रकार से धर्म की व्युत्पत्ति संस्कृत के 'धृ' धातु से हुई है जिससे धर्म शब्द बना है। जिसका अर्थ धारण करना होता है, जो सबको धारण करे, जो सबका आधार हो वह धर्म है। साधारण शब्दों में धर्म के बहुत से अर्थ हैं जिनमें से कुछ हैं रू कर्तव्य, अहिंसा, न्याय, सदाचरण, सद्गुण, प्रेम, दयालुता और त्याग। आज मानव मात्र को इन्हीं सद्गुणों को अपने चरित्र में उतारने की महती आवश्यकता है, तभी यह पृथ्वी और सुंदर बनेगी और लोग सौहार्दपूर्ण वातावरण में प्रेमपूर्वक सुंदर जीवन जी सकेंगे। बुद्ध की शिक्षाएं अतीत में प्रासंगिक थीं, वर्तमान में भी प्रासंगिक हैं और भविष्य में भी प्रासंगिक रहेंगी।

स्वत्वाधिकारी, मुद्रक, प्रकाशक एवं सम्पादक ज्ञानेन्द्र कुमार शर्मा ने सर्व धर्म शक्ति हिन्दी साप्ताहिक समाचार पत्र को एन.एस. प्रेस 432 लद्दावाला मुजफ्फरनगर से छपवाकर मुख्य कार्यालय 99 रामलीला टीला गली नं0 4, मुजफ्फरनगर से प्रकाशित किया।
सम्पादक : ज्ञानेन्द्र कुमार शर्मा
प्रबंध सम्पादक : आदेश शर्मा उर्फ आचार्य सूर्यांश
सह सम्पादक : प्रवीण त्यागी (एनसीआर-दिल्ली)
उत्तरांचल कार्यालय : कुंवर प्रणव सिंह रंग महल लंढौरा रियासत, रूड़की, हरिद्वार (उत्तरांचल)।
फोन :- 7668376851, 9759551311

M:. 8668733135 COOL LIFE C·L·R REFRIGERATION M:. 7668610523
COOL LIFE REFRIGERATION
SERVICE & REPAIR CENTER
Deep Fridge, Window A.C., Split A.C.
Water Cooler, Water Dispenser,
Washing Machine etc.
Near Anjuman Palace, Gali Ahata Auliya ji Masjid, Moti Mahal, Muzaffarnagar

फारमर आर्टस्
» फ्लैक्स प्रिंटिंग
» विनाईल प्रिंटिंग
» वॉलपेपर प्रिंटिंग
» आउटडोर प्रिंटिंग
» इनडोर प्रिंटिंग
» ग्लोसाईन बोर्ड
» शादी कार्डस्
7017069792
farmerarts8@gmail.com
छतरी वाला कुआं जोशीवाडा, देवबन्द

पं0 शिवदत्त शर्मा होम्योपैथिक क्लीनिक
Reg. No.-H030857 (HMB, Lucknow) Reg. No.-4687 (CCH, New Delhi)
डा. डी. के. भारद्वाज
होम्योपैथिक फिजिशियन एवं कन्सलटेन्ट
बी0एस0सी0, बी0एच0एम0एस0 (पंजाब)
भूतपूर्व सीनियर रेजीडेन्ट होम्यो0 हॉस्पिटल (पंजाब)
M. 9917036806
My youtube Chennel : Dr. D.K. Bhardwaj Homoeopathy
online treatment : pssmhomoeopathy@gmail.com
हलवाई हट्टा, डा0 डी0के0 जैन के पुराने क्लीनिक वाली गली में देवबन्द जिला-सहारनपुर

ओ३म्
9760556341
9719966953
8445543053
संस्थापक
स्वामी शान्तनु जी महाराज
कुलपति एवं प्राचार्य
प्रबुद्ध गुरुकुल सिद्धकुटी (कुटी रोड़)
कृष्णवाटिका, देबवृन्द, जिला- सहारनपुर (उ.प्र.)-247554

R. K. Sharma 9837958574
Gaurav Sharma 9756987665 8439412627
SHANKAR DAIRY AND DAIRY PRODUCTS
Dairy Manufacturer Wholesaler And Retailer
Malkhan Singh Chowk, Shankar Dairy Shankar Lemon, Deoband

भारतीय जनता पार्टी जिन्दाबाद
भारतीय जनता पार्टी
देवबन्द, जिला सहारनपुर
विजय त्यागी
(ब्लाक प्रमुख देवबन्द)
9897643971
पता- ग्राम व पो0 घलीली, वि0 ख0 देवबन्द
जिला - सहारनपुर (247554)

Bharti tanejas
Dr. Anima Mishra
+91-9871314307
+91-9773868564
ALPS ACADEMY INDIRAPURAM
Your carrier our pride...
Plot No-1032, First Floor, Niti Khand-I, Opp- Orange County, Indirapuram, Gzb (U.P.)

9258643803
7906221244
E-mail : ravisharmaadv.in@gmail.com
Ravi Sharma Advocate
s/o Mukesh Sharma
INCOME TAX, GST & COMPANY REGISTRATION
LABOUR REGISTRATION & SOCIETY REGISTRATION
हमारे यहाँ बैनामा (विक्रय-पत्र), इकरारनामा, वसीयतनामा, दान-पत्र (हिबैनामा) लीज-डीड (किरायानामा) आदि दस्तावेज लिखवाने हेतू सम्पर्क करें।
Office : 2, Jeetgiri Mandir, Ravidas Marg
Deoband Distt-Saharanpur (U.P.)

अमित गोयल M: 9837244123
साडी शोरूम
अमीर सिंह क्लाथ स्टोर
अमीर सिंह एण्ड कम्पनी
हमारे यहां होलसेल रेट पर फैंसी साडी, सूट, लहंगा-चुनरी उपलब्ध है
निकट ठाकुरद्वारा, मेन बाजार, देवबन्द (सहारनपुर)

प्रो. शिवकुमार (फूल वाले) ऊँ नमः शिवाय 9634919066
शिव फ्लावर एण्ड बैलून डेकोरेटर
हमारे यहाँ वरमाला, गाड़ी, बैड, स्टेज, मंडप आदि सभी प्रकार की डेकोरेशन की जाती है
पताः मौ. गुज्जरवाड़ा, पिलर नं0 34, जी.टी. रोड, देवबन्द (सहारनपुर)

Kuldeep Rathi
Director
KRS MANPOWER SOLUTIONS PVT. LTD
C-121, Sahni Tower, Sector-5, Sahibabad Ghaziabad, Uttar Pradesh-201005
9818566088, 7011752611
kuldeep@krsmanpower.com

Mukul Garg 9897215627
Sanyam Garg 9634560345
Shree Balaji Mobile Gellery
NOKIA Connecting People, Micromax, VIVO, INTEX, MI, LAVA, OPPO, SAMSUNG mobile
Add. Court Gate, Sadar Baza, MuzaffarNagar

Ankit Jain 8394900000
Silver Paradise Farms
A place that builds relations
Muzaffarnagar Road, DEOBAND (SRE)
• Marriage Parties
• Pre Wedding Parties
• Birthday Parties
• Corporate Meetings
• Anniversary
• School Functions

उप्र में मायावती के साथ उनका वोटबैंक बरकरार, जाटवों के लिए पहली पसंद बनी हुई है बसपा

लखनऊ। पार्टी के वोट शेयर और सीटों में गिरावट के साथ, बसपा और मायावती को लोकसभा चुनावों में हार के रूप में

देखा जा सकता है। हालाँकि, 25 मई को छठे चरण में मतदान करने वाले पूर्वी उत्तर प्रदेश के इन हिस्सों में अपने जाटव समुदाय के बीच, मायावती ने अपनी पकड़ नहीं खोई है। यही कारण है कि उनके समर्थक आज भी कह रहे हैं कि हमारे समाज का सारा वोट हाथी को ही जाएगा, चाहे वो लड़ाई में हो या नहीं। हालांकि, कांग्रेस और समाजवादी पार्टी का चुनावी अभियान इस बार मायावती के वोटबैंक को साधने पर केंद्रित दिखाई दे रहा है जो मुख्य रूप से दलित और गैर यादव ओबीसी हैं। मायावती द्वारा इंडिया ब्लॉक में शामिल होने से इनकार करने के साथ, कांग्रेस और समाजवादी पार्टी ने बसपा पर भाजपा की बी-टीम होने का भी आरोप लगाया। लखनऊ में एक बसपा नेता का कहना है कि भाजपा ने भले ही दलितों में से धोबी, खटिक और सोनकर जैसी कुछ उपजातियों को अपने साथ ले लिया है, लेकिन बसपा अपने जाटव वोट शेयर पर कायम है। नेता कहते हैं, हो सकता है कि हम इस बार लड़ाई में न हों, लेकिन हमारा वोट शेयर 2022 के विधानसभा चुनावों के करीब रहेगा। पार्टी के कमजोर अभियान के बारे में नेता कहते हैं, हमारी तैयारी 2027 के विधानसभा चुनावों के लिए है। यूपी में 2022 के विधानसभा चुनावों में, बसपा ने 403 सीटों में से केवल 1 सीट जीती, लेकिन उसका वोट शेयर 12.9% था - जो यूपी में जाटव वोटों के शेयर के करीब था। यूपी में दलित आबादी 21% है और अकेले जाटव 13% हैं। हालाँकि, 2022 अपने गठन के बाद से बसपा के सबसे कम वोट शेयरों में से एक था। 2014 के लोकसभा चुनाव में जब बसपा को यूपी में एक भी सीट नहीं मिली थी, तब उसका वोट शेयर 19.77% था। 2017 के विधानसभा चुनावों में, जब उसने 19 सीटें जीतीं, तो उसे 22.23% वोट मिले। यह 2019 के लोकसभा चुनावों में उसी क्षेत्र में था, जब उसने सपा के साथ गठबंधन किया और 10 सीटें जीतीं। राम मंदिर आंदोलन के चरम को छोड़कर, जाटव और गैर-जाटव दोनों ने शुरू से ही बड़े पैमाने पर बसपा का समर्थन किया है। हालाँकि, 2014 के बाद से, भाजपा ने बसपा के गैर-जाटव वोट बैंक में एक महत्वपूर्ण सेंध लगाई है, जिसमें उन्होंने मायावती पर पार्टी के भीतर पदों पर अपनी जाति का पक्ष लेने और अधिकांश आरक्षण नौकरियों और योजनाओं के लाभों पर कब्जा करने का आरोप लगाया है। ऐसे 17 जिले हैं जहां अनुसूचित जाति की आबादी 25 प्रतिशत से अधिक और 41 प्रतिशत (राज्य औसत से बहुत अधिक) तक है। ये जिले हैं महोबा, आजमगढ़, कानपुर देहात, खीरी, मिर्जापुर, बाराबंकी, चित्रकूट, जालौन, झाँसी, औरैया, रायबरेली, उन्नाव, हरदोई, सीतापुर, कौशांबी, सोनभद्र और फतेहपुर।

खाली प्लाटों में कूड़ा डालने से रोकने के लिए अभियान चला

मुजफ्फरनगर। नगर पालिका परिषद मुजफ्फरनगर अध्यक्ष मीनाक्षी स्वरूप एवम ईओ प्रज्ञा सिंह के आदेशों के पालन में डॉक्टर अतुल कुमार के नेतृत्व में स्वच्छ भारत मिशन के अंतर्गत निरंतर कार्य जारी है। सभी वार्डो में खुले में व खाली प्लॉट में कूड़ा डालने वालो के विरुद्ध एवं खाली प्लॉट पर बाउंड्री करवाने के लिए भी सरदार बलजीत सिंह की टीम द्वारा निरंतर कार्य जारी है प्रतिदिन नगर को स्वच्छ बनाने के लिए कदम बढ़ाए जा रहे है नागरिकों से सहयोग मांगा जा रहा है। इसी क्रम में आज वार्ड 35 में टीम के द्वारा निरीक्षण किया गया। वार्ड सभासद अमित कुमार के नेतृत्व में खुले में कूड़ा न डालने, डेस्टबिन प्रयोग, डेयरी का गोबर नाली में न बहाने एवं खाली प्लॉट बाउंड्री करवाने हेतु अनुरोध किया गया। कंपनी एमआईटूसी द्वारा वार्डो में डोर टू डोर कार्य किया जा रहा है प्रतिदिन गाड़ी उपलब्धता के बारे में नागरिकों से जानकारी प्राप्त की गई कूड़ा गाड़ी में ही देने हेतु टीम ने नागरिकों को अनुरोध किया। मौके पर स्वच्छ भारत मिशन देख रहे सरदार बलजीत सिंह, नायक आशीष कुमार, जोन इंचार्ज रवि प्रताप सुपरवाइजर अक्षय बिड़ला, दीपक एवं वार्ड नागरिक उपस्थित रहे।

हत्या के आरोप में बाल अपराधी को किया गिरफ्तार : वीडियो दिखाकर करता था कुकर्म, इसलिए कर दी हत्या

मुजफ्फरनगर। नजाकत की हत्या एक किशोर के साथ कुकर्म कर वीडियो बनाकर उसे ब्लैकमेल करते हुए दुष्कर्म करने पर की गई थी। थाना शाहपुर पुलिस द्वारा हत्या के अभियोग का सफल अनावरण करते हुए 01 हत्यारोपी बाल अपचारी को बसी की पुलिया से पुलिस अभिरक्षा में लिया गया। बाल अपचारी की निशादेही से आलाकत्ल 01 दाव व मृतक का टूटा हुआ मोबाईल फोन बरामद किया गया। 20 मई 2024 को वादी सदाकत पुत्र फारूक निवासी ग्राम पलडी थाना शाहपुर, मुजफ्फरनगर द्वारा थाना शाहपुर पुलिस को लिखित तहरीर देकर अवगत कराया कि मेरे भाई नजाकत उर्फ नाजू की अज्ञात द्वारा धारदार हथियार से हत्या कर दी गयी है। वादी की तहरीर के आधार पर थाना शाहपुर पुलिस द्वारा मु0अ0सं0 148/2024 धारा 302 भादवि पंजीकृत किया गया। घटना के शीघ्र एवं सफल अनावरण हेतु उच्चाधिकारीगण के निर्देशन में टीमों का गठन किया गया तथा गठित टीम द्वारा आज दिनांक 25.05.2024 को घटना का सफल अनावरण करते हुए 01 बाल अपचारी को गिरफ्तार किया गया। 'बरामदगी का विवरण-' 01 दाव आलाकत्ल। मृतक के टूटा हुआ मोबाईन फोन। पूछताछ के

दौरान बाल अपचारी द्वारा बताया कि करीब 04 महीने पहले जब मे मस्जिद में पढने गया था तो मस्जिद के सामने रहने वाले नजाकत उर्फनाजू ने मुझे अपनी बातो में बहला-फुसलाकर अपने घर बुलाया तथा डरा धमकाकर मेरे साथ गलत काम किया तथा उसकी वीडियो भी बना ली और वीडियो का डर दिखाकर मेरे साथ गलत काम करता था। दिनांक 19.05.2024 को नजाकत ने मुझे नमाज से पहले अपने घर बुलाया उस समय नजाकत की पत्नी व बच्चे 04-05 दिन के लिए बाहर गये थे। नजाकत ने मेरे साथ फिर से गलत काम करने की कोशिश की तथा मना करने पर मेरे साथ मारपीट करने लगा तो वही पास रखे दाव से उसने नजाकत के ऊपर कई वार किए जिससे वह जमीन पर गिर गया उसके बाद मेने दाव तथा अपने हाथ-पैर धोए तथा फोन को दाव से तोड दिया ओर सीढीयों के रास्ते छत से होते हुए मस्जिद में पहुंच गया। दाव व टूटे हुए फोन को मेने मस्जिद की छत से सामने खण्डर में फेंक दिया।

गंभीर चक्रवात रेमल बंगाल तट की ओर बढ़ रहा, ओडिशा प्रभाव के लिए तैयार, भारी बारिश और तूफान का अलर्ट जारी

नई दिल्ली। भारत मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) ने कहा कि बंगाल की खाड़ी में एक कम दबाव प्रणाली गंभीर चक्रवाती तूफान रेमल में तब्दील हो गई है। तूफान के रविवार (26 मई) सुबह बांग्लादेश और पश्चिम बंगाल के तटों

पर टकराने की आशंका है, जिससे भारी बारिश और तेज हवाएं चलेंगी। आईएमडी के अनुसार, चक्रवात रेमल उत्तर की ओर और फिर पूर्व की ओर बढ़ेगा, जो शनिवार सुबह तक पूर्व-मध्य बंगाल की खाड़ी के ऊपर एक गंभीर चक्रवाती तूफान बन जाएगा। इसके बाद यह और तेज हो जाएगा और बांग्लादेश और पश्चिम बंगाल के तटों की ओर बढ़ेगा, शनिवार रात तक सागर द्वीप (भारत) और खेपुपारा (बांग्लादेश) के बीच तट को पार करने की संभावना है। आईएमडी ने पूर्वानुमान लगाया है कि हवा की गति 110-120 किलोमीटर प्रति घंटे (किमी प्रति घंटे) तक पहुंच सकती है, जो लैंडफॉल के समय 135 किमी प्रति घंटे तक पहुंच सकती है। 26-27 मई को पश्चिम बंगाल और उत्तरी ओडिशा के तटीय जिलों में अत्यधिक भारी वर्षा होने की संभावना है, 27-28 मई को पूर्वोत्तर भारत के कुछ हिस्सों में अत्यधिक भारी वर्षा होने की संभावना है।

बंगाल में भारी बारिश का अलर्ट : भूस्खलन के दौरान तटीय पश्चिम बंगाल और बांग्लादेश के निचले इलाकों में 1.5 मीटर तक की तूफानी लहर आने का अनुमान है। मौसम कार्यालय ने मछुआरों को 27 मई की सुबह तक उत्तरी बंगाल की खाड़ी से बाहर रहने की चेतावनी दी है। आईएमडी ने पश्चिम बंगाल के दक्षिण और उत्तर 24 परगना के तटीय जिलों के लिए रेड अलर्ट जारी किया है, जिसमें 26 और 27 मई को 80-90 किमी प्रति घंटे से लेकर 100 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से हवा चलने के साथ भारी से बहुत भारी बारिश की चेतावनी दी गई है। कोलकाता, हावड़ा, नादिया और पूर्व मेदिनीपुर जिलों में 80-90 किमी प्रति घंटे से लेकर 100 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से हवा चलने के साथ भारी बारिश का अनुमान है। 25 मई को पूर्व मेदिनीपुर में भी भारी बारिश की संभावना है, जो तमलुक और कांति लोकसभा क्षेत्रों में चुनाव के साथ मेल खाता है। दक्षिण बंगाल के बाकी हिस्सों में भारी बारिश के साथ 40-50 किमी प्रति घंटे से लेकर 60 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से हवा चलने की उम्मीद है। आईएमडी ने संभावित स्थानीय बाढ़ और प्रभावित क्षेत्रों में कमजोर संरचनाओं, बिजली और संचार लाइनों, सड़कों, फसलों और बगीचों को बड़े नुकसान की चेतावनी दी है। निवासियों को घर के अंदर रहने और असुरक्षित संरचनाओं से बाहर निकलने की सलाह दी गई है।

ओडिशा चक्रवात प्रभाव के लिए तैयार: ओडिशा सरकार ने चार तटीय जिलों - केंद्रपाड़ा, भद्रक, बालासोर और मयूरभंज में अधिकारियों को तूफान के प्रभाव की आशंका के मद्देनजर तैयारी के उपाय करने के लिए सतर्क कर दिया है। मौसम ब्यूरो ने कहा कि इन जिलों में भारी से बहुत भारी बारिश के साथ 40-50 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से हवा चलने की संभावना है। रेमल इस सीजन में बंगाल की खाड़ी में पहला प्री-मॉनसून चक्रवात है। उत्तरी हिंद महासागर में चक्रवातों के लिए क्षेत्रीय नामकरण प्रणाली का अनुसरण करते हुए, यह नाम ओमान द्वारा प्रदान किया गया था।

चुनावी आंकड़ों वाला फॉर्म 17सी क्या है? सीजेआई के किस बात पर मचा है बवाल

नई दिल्ली। भारतीय चुनाव आयोग (ईसीआई) 17वीं लोकसभा चुनाव में मतदान प्रतिशत के आंकड़ों को लेकर कई सवालों का सामना कर रहा है। 22 मई को चुनाव निकाय ने सुप्रीम कोर्ट को बताया कि उसने अपनी वेबसाइट पर प्रत्येक मतदान केंद्र पर डाले गए वोटों का रिकॉर्ड यानी फॉर्म 17सी को अपलोड नहीं कर सकता है। आयोग की तरफ से ये हलफनामा लोकसभा चुनाव के शेष दो चरणों से पहले आया है। जैसा कि भारत में नई सरकार के चयन को लेकर वोटिंह हो रही है। आइए एक नजर डालते हैं कि फॉर्म 17सी क्या है और किस वजह से ये चर्चा में है।

फॉर्म 17सी क्या है? फॉर्म 17सी देशभर के मतदान केंद्रों पर डाले गए वोटों का दस्तावेज है। इसमें अलग-अलग डेटा शामिल होते हैं जैसे प्रत्येक मतदान केंद्र को आवंटित मतदाता, किसी क्षेत्र में पंजीकृत मतदाताओं की कुल संख्या, उन मतदाताओं की संख्या जिन्होंने वोट न डालने का फैसला किया, जिन्हें वोट डालने की अनुमति नहीं थी, दर्ज किए गए वोटों की कुल संख्या इलेक्ट्रॉनिक वोटिंग मशीनों (ईवीएम) पर, और मतपत्रों और पेपर सील के बारे में जानकारी। फॉर्म 17सी के दूसरे भाग में उम्मीदवार का नाम और उन्हें मिले कुल वोट शामिल होते हैं। इस बात का भी डेटा है कि बूथ पर दर्ज किए गए वोट कुल पड़े वोटों के बराबर हैं या नहीं।

वोटिंग पर्सेंटेज डेटा पर विवाद: विपक्षी नेताओं और कार्यकर्ताओं ने अंतिम मतदान प्रतिशत डेटा जारी करने में देरी

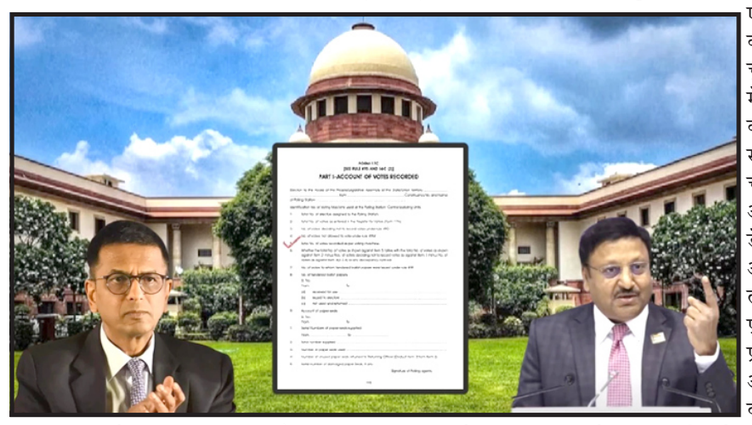

पर चुनाव आयोग पर सवाल उठाया है। मतदान निकाय द्वारा मतदान के अंतिम आंकड़े 19 अप्रैल को पहले चरण के मतदान के 11 दिन बाद साझा किए गए, जबकि अगले तीन चरणों के लिए इसमें चार-चार दिन की देरी हुई। आलोचकों ने यह भी कहा है कि चुनाव आयोग ने इस बार प्रत्येक संसदीय क्षेत्र में मतदाताओं की पूर्ण संख्या का खुलासा नहीं किया है। उन्होंने मतदान के दिन साझा किए गए अनंतिम आंकड़ों की तुलना में पहले दो चरणों में अंतिम मतदान आंकड़ों में अचानक वृद्धि को भी चिह्नित किया। कांग्रेस के मीडिया विभाग के प्रमुख पवन खेड़ा ने एक बयान में मतदान के बाद वोटिंग प्रतिशत के आंकड़े में बढ़ोतरी को लेकर पार्टी की आशंकाएं जाहिर करते हुए कहा कि पहले चारों चरणों में 380 लोकसभा सीटों पर अंतिम आंकड़े में 1.07 करोड़ वोट चुनाव के इतिहास में अंतिम आंकड़े में कभी ऐसी बढ़ोतरी नहीं हुई और यह कैसे बढ़ा। 14 मई को तृणमूल कांग्रेस नेता महुआ मोइत्रा ने कृष्णानगर सीट से मतदाता डेटा साझा किया, जहां उन्होंने भाजपा की अमृता रॉय के खिलाफ चुनाव लड़ा था। उन्होंने चुनाव आयोग से पूछा कि वह संपन्न चरणों के लिए डेटा संकलित क्यों नहीं कर सका।

डेटा अपलोड क्यों नहीं किया: 17 मई को पिछली सुनवाई में सुप्रीम कोर्ट ने चुनाव आयोग से पूछा था कि वह मतदाता मतदान डेटा अपलोड क्यों नहीं कर सका। चुनाव निकाय ने अपने हलफनामे में एडीआर की आलोचना करते हुए कहा कि वह चुनाव अवधि के बीच में एक अधिकार पैदा करने की कोशिश कर रहा था। एनजीओ ने चुनाव आयोग पर अंतिम मतदान प्रतिशत डेटा प्रकाशित करने में अनुचित देरी का आरोप लगाया था। इसमें प्रारंभिक मतदान प्रतिशत की तुलना में अंतिम आंकड़ों में तेज वृद्धि पर भी आशंका व्यक्त की गई। चुनाव आयोग ने शीर्ष अदालत को बताया कि पहले दो चरणों में अंतिम मतदान डेटा में पांच से छह प्रतिशत की वृद्धि का आरोप भ्रामक और निराधार था। शीर्ष अदालत इस मामले की अगली सुनवाई शुक्रवार (24 मई) को करने वाली है।

चुनाव आयोग ने क्या कहा है? एनजीओ एसोसिएशन फॉर डेमोक्रेटिक रिफॉर्म्स द्वारा एक याचिका दायर की गई थी, जिसमें मतदान समाप्त होते ही चुनाव आयोग की वेबसाइट पर फॉर्म 17सी की स्कैन की गई प्रतियां अपलोड करने के लिए ईसीआई को निर्देश देने की मांग की गई थी। 17 मई को सुप्रीम कोर्ट ने चुनाव आयोग से जवाब देने को कहा। चुनाव आयोग ने सुप्रीम कोर्ट से कहा है कि मतदान केंद्र-वार मतदान प्रतिशत के आंकड़े बिना सोचे-समझे जारी करने और वेबसाइट पर पोस्ट करने से लोकसभा चुनावों में व्यस्त मशीनरी में भ्रम की स्थिति पैदा हो जाएगी। जवाबी हलफनामे में आयोग ने कहा है कि उम्मीदवार या उसके एजेंट के अलावा किसी अन्य व्यक्ति को फॉर्म 17सी प्रदान करने का कोई कानूनी अधिदेश नहीं है। इसने कहा कि मतदान केंद्र पर डाले गए मतों की संख्या बताने वाले फॉर्म 17सी को सार्वजनिक रूप से पोस्ट करना वैधानिक ढांचे के अनुरूप नहीं है और इससे पूरी चुनावी प्रक्रिया में शरारत एवं गड़बड़ी हो सकती है, क्योंकि इससे छवियों के साथ छेड़छाड़ की संभावना बढ़ जाती है। चुनाव अवधि के बीच में क्यों उठी ऐसी मांग: याचिकाकर्ता चुनाव अवधि के मध्य एक अर्जी दायर करके अपनी पात्रता हासिल करने की कोशिश कर रहा है जबकि चुनाव के दौरान ऐसा कुछ भी करने का प्रावधान नहीं है। यह सम्मानपूर्वक दोहराया जाता है कि कई विश्वसनीय व्यावहारिक कारणों से, वैधानिक अधिदेश के अनुसार परिणाम मौजूदा वैधानिक नियम के तहत निर्धारित समय पर फॉर्म 17सी में निहित डेटा के आधार पर घोषित किया जाता है।

चोरी के वाहनों के साथ सात बदमाशों को पुलिस ने दबोचा

मुजफ्फरनगर। थाना कोतवाली नगर पुलिस द्वारा वाहन चोर गिरोह का पर्दाफाश करते हुए 07 अभियुक्तों को किया गिरफ्तार, चोरी की 05 मोटरसाइकिल व 01 कटी हुई मोटरसाइकिल बरामद। अभियुक्त भीड-भाड वाले इलाकों से करते थे वाहन चोरी तथा चेसिस नम्बर व वाहन का रुपान्तरण कर सस्ते दामों पर बेचते थे। नगर पुलिस द्वारा वाहन चोर गिरोह के 07 अभियुक्तों को गिरफ्तार किया गया। अभियुक्तगण के कब्जे व निशादेही से शहर के विभिन्न स्थानों से चोरी की गयी 05 मोटरसाइकिल व 01 कटी हुई मोटरसाइकिल बरामद की गयी। अभियुक्तगण की गिरफ्तारी व बरामदगी के सम्बन्ध में थाना कोतवाली नगर पुलिस द्वारा वैधानिक कार्यवाही की जा रही है। कुछ समय से शहर में मोटरसाइकिल चोरी की घटनाओं में वृद्धि हुई थी। इन वाहन चोरों को गिरफ्तार करने के लिए थाना कोतवाली नगर पर टीम का गठन किया गया था। दिनांक 20.05.2024 को गठित पुलिस टीम को सूचना प्राप्त हुई कि मोटरसाइकिलों को चोरी करने वाला गिरोह शहर के अलग अलग स्थानों से चोरी की गयी मोटरसाइकिलों को लेकर चरथावल की तरफ जाने वाले है। इस सूचना पर पुलिस टीम तत्काल अपने प्राइवेट वाहनों से काली नदी पुल के पास पहुंची तथा वाहनों को रोड के किनारे

खडा करके आड लेकर वाहन चोरो का इंतजार करने लगी। कुछ समय पश्चात शहर की तरफ से आने वाली तीन मोटरसाइकिलों को टार्च की रोशनी देकर चेकिंग हेतु रुकने का ईशारा किया गया परन्तु मोटरसाइकिल सवार व्यक्तियों द्वारा पीछे मोडकर भागने का प्रयास किया परन्तु पुलिस टीम द्वारा आवश्यक बल प्रयोग कर मौके से 06 लोगों को गिरफ्तार कर लिया गया। गिरफ्तार अभियुक्तगण के कब्जे से चोरी की 03 मोटरसाइकिल बरामद की गयी। अभियुक्तगण द्वारा बताया गया कि उनका 01 अन्य साथी अजहर शाहबुद्दीनपुर रोड भटटे के पास किराये के मकान में रहता है तथा वही पर चोरी की मोटरसाइकिलों को काट कर उनके सामान दूसरी मोटरसाइकिल से बदल देता है। थाना कोतवाली नगर पुलिस उक्त स्थान पर पहुंची तो वहां अभियुक्त अजहर मौजूद मिला जिसे मौके से गिरफ्तार किया गया। उक्त स्थान पर चोरी की गयी 02 अन्य मोटरसाइकिल व 01 कटी हुई मोटरसाइकिल भी मिली जिसे कब्जे में लिया गया। गिरफ्तार अभियुक्तों के नाम-' अभिषेक उर्फनोनू पुत्र सुरेश कुमार रावत निवासी मौहल्ला जनकपुरी थाना सिविल लाइन, मुजफ्फरनगर। रितिक रावत पुत्र संजय रावत निवासी मौहल्ला रहजादगान, शामली हाल पता आदर्श कालोनी थाना नई मण्डी, मुजफ्फरनगर। मोहित पुत्र देवी सिंह निवासी जटनंगला थाना कोतवाली नगर, मुजफ्फरनगर। विशाल पुत्र जयप्रकाश निवासी होली चौक जनकपुरी, थाना सिविल लाइन, मुजफ्फरनगर। वंश पुत्र नरेन्द्र निवासी ग्राम संधावली थाना मन्सूरपुर, मुजफ्फरनगर। अनमोल पुत्र सुबोध निवासी ग्राम कुटेसरा थाना चरथावल, मुजफ्फरनगर हाल पता शाहबुद्दीनपुर रोड थाना कोतवाली नगर मुजफ्फरनगर। अजहर पुत्र उसमान निवासी रामपुरी थाना कोतवाली नगर, मुजफ्फरनगर। गिरफ्तार अभियुक्त रितिक द्वारा पूछताछ के दौरान बताया कि वह भीड-भाड वाले इलाके जैसे बैंक, अस्पताल, स्कूल, बाजार से मोटरसाइकिल को चिन्हित कर चोरी करता है तथा चोरी की गयी मोटरसाइकिल को अपने चाचा अभिषेक उर्फनोनू को लाकर देता है। अभियुक्त अभिषेक उर्फ नोनू इन मोटरसाइकिलों का चेसिस नम्बर को रगड कर नया चेसिस नम्बर प्रिन्ट कर व मोटरसाइकिल को रुपान्तरण कर सस्ते दामों में बेच देता है। इसी क्रम में पिछले कुछ दिनों में शहर क्षेत्र से जो मोटरसाइकिल चोरी की गयी है उन्हे हमने मोहित, विशाल, वंश, अनमोल, अजहर उपरोक्त को बेचा है।

पृष्ठ एक का शेष

बाग आंदोलन सही था ? क्या भारत के मुस्लिमों के हित सीएए के द्वारा किसी प्रकार से प्रभावित होते हैं? स्पष्ट रूप से सीएए कानून जब भारतीय नागरिकों के हितों को, नागरिकता को- किसी प्रकार से प्रभावित नहीं करता है। तब ऐसे में दिल्ली के शाहीन बाग में वर्षों पहले जो कुछ हुआ था, क्या वह सही था? तिस पर भी सीएए को लेकर मोदी को मुस्लिम विरोधी साबित किया जाता रहा। ठीक इसी तरह 2022 में हैदराबाद में बीजेपी की राष्ट्रीय कार्यकारिणी की बैठक में मोदी ने श्पसमांदाश् मुस्लिमों का जिक्र कर एक बार फिर से समूचे देश का ध्यान अपनी ओर खींच लिया था। पसमांदा मुस्लिम, आबादी के मुताबिक मुस्लिम जनसंख्या का 85% हैं। मोदी ने पसमांदा को लेकर कई बार अपनी चिंताएं जताईं और इस व्यापक वर्ग के कल्याण लिए अपनी प्रतिबध्दता जताते रहे हैं। मुस्लिम समाज के बीच सामाजिक सुधारों की कवायद करते रहे हैं। वास्तव में पीएम मोदी ने पसमांदा मुस्लिमों के विकास पर जो चर्चा छेड़ी थी, उस पर देश भर में व्यापक बहस होनी थी। लेकिन इस पर जिस ढंग की डिबेट होनी थी वो नहीं हो पाई। प्रधानमंत्री मोदी जब मुस्लिम समाज के बीच सामाजिक सुधारों की बात करते हैं, उन्हें मुख्यधारा में शामिल करने की बात करते हैं य तो अक्सर उन्हें मुस्लिम विरोधी ठहराए जाने का प्रयास किया जाता है। पीएम मोदी ने सत्ता में आते ही जो निर्णय लिए उस आधार पर जो तथ्य सामने आते हैं। उससे क्या स्पष्ट होता है। यह तय करना आप पर छोड़ते हैं...लेकिन यह जरूर हुआ है कि मोदी ने नमाजवादी और समाजवादी राजनीति के बीच अपनी एक अलग लकीर जरूर खींच दी है।

वाराणसी में प्रियंका-डिंपल का रोड शो, श्री काल भैरव जी के भी किए दर्शन

वाराणसी। लोकसभा चुनाव को लेकर छह चरण के मतदान खत्म हो चुके हैं। सातवें चरण के लिए वोट 1 जून को डाले जाएंगे। सातवें चरण में सबकी नजर वाराणसी सीट पर रहेगी। वाराणसी से प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी भाजपा के उम्मीदवार है। वहीं, कांग्रेस ने एक बार फिर से अजय राय को चुनावी मैदान में उतारा है। कांग्रेस नेता प्रियंका गांधी वाड्रा और सपा नेता डिंपल यादव आज वाराणसी में अजय राय के पक्ष में रोज शो भी किया। उनके साथ कांग्रेस नेता अजय राय भी मौजूद रहे। रैली की शुरुआत दुर्गाकुंड स्थित मां दुगा के आशीर्वाद के साथ की गई। कांग्रेस नेता प्रियंका गांधी वाद्रा और समाजवादी पार्टी सांसद डिंपल यादव ने वाराणसी में रोड शो से पहले काशी के कोतवाल श्री काल भैरव जी के दर्शन किए। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी वाराणसी से लगातार तीसरी बार चुनाव लड़ रहे हैं और यहां सातवें और आखिरी चरण में एक जून को मतदान होगा। कांग्रेस उम्मीदवार अजय राय ने 'कहा कि यह आयोजन चुनाव में गेम चेंजर साबित होगा। राय को इस सीट पर इंडिया गठबंधन के सहयोगी दल कांग्रेस

का समर्थन प्राप्त है। मोदी और राय के अलावा, मायावती की बसपा ने इस सीट से अतहर जमाल लारी को अपना उम्मीदवार बनाया है। समाजवादी पार्टी प्रमुख अखिलेश यादव और कांग्रेस सांसद राहुल गांधी 28 मई को वाराणसी में इंडिया ब्लॉक के उम्मीदवार अजय राय के समर्थन में एक संयुक्त जनसभा करेंगे। आप संयोजक अरविंद केजरीवाल और राजद के तेजस्वी यादव भी उनके साथ मंच साझा कर सकते हैं, लेकिन उनकी पुष्टि की प्रतीक्षा है। सूत्रों ने इस बात की जानकारी दी है। राय को इस हाई-प्रोफाइल सीट पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के खिलाफ खड़ा किया गया है। बैठक में कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे के भी शामिल होने की उम्मीद है।

लोकसभा सामान्य निर्वाचन- 2024 मतगणना कार्मिकों को दिया गया प्रशिक्षण

शामली। लोक सभा सामान्य निर्वाचन-2024 को विधिवत समयबद्ध, स्वतंत्र, निष्पक्ष एवं शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न कराने हेतु जिलाधिकारी/जिला निर्वाचन श्री रविन्द्र सिंह की अध्यक्षता में वी0वी0 इंटर कॉलेज शामली में आज लोकसभा सामान्य निर्वाचन- 2024 मतगणना कार्मिकों को प्रशिक्षण दिया गया। आयोजित प्रशिक्षण कार्यक्रम के दौरान जिला निर्वाचन अधिकारी ने दिनांक 04-06-2024 को नवीन मण्डी स्थल शामली में होने वाली मतगणना को लेकर मतगणना में लगे मतगणना पर्यवेक्षक, मतगणना सहायक, माइक्रो ऑब्जर्वर व अतिरिक्त मतगणना सहायक को निर्देशित करते हुए कहा कि सभी को टीम वर्क के रूप में कार्य करते हुए भारत निर्वाचन आयोग की मंशा के अनुसार मतगणना कार्य को शुचिता एवं सावधानीपूर्वक सकुशल संपन्न कराना है। जिला निर्वाचन अधिकारी ने समस्त संबंधित को निर्देशित करते हुए कहा कि किसी भी प्रकार की कोई शंका ना रहे इसलिए प्रशिक्षण के दौरान बताई जा रही पूरी प्रक्रिया से भिज्ञ होना जरूरी है। आयोजित प्रशिक्षण के दौरान जिला निर्वाचन अधिकारी ने समस्त सभी को निर्देशित करते हुए कहा कि मतगणना के दृष्टिगत समय से पहुंचना है, मोबाइल फोन अनुमन्य नहीं होगा। आयोजित प्रशिक्षण के दौरान मुख्य विकास अधिकारी श्री विनय कुमार तिवारी ने समस्त संबंधित से कहा कि मतगणना चुनाव का अंतिम चरण है, जो बहुत ही महत्वपूर्ण है। इसलिए प्रशिक्षण के दौरान मतगणना को शुचिता पूर्ण ढंग से संपन्न कराने हेतु महत्वपूर्ण एक-एक पॉइंट को गहनता से समझते हुए सजग रहकर निर्वाचन प्रक्रिया को सकुशल संपन्न कराना है। आयोजित प्रशिक्षण कार्यक्रम के दौरान जिला अर्थ एवं संख्या अधिकारी डॉ हरेंद्र, जिला विद्यालय निरीक्षक जनार्दन सिंह शाक्य, डॉ अमित मलिक, के द्वारा मतगणना को लेकर पावर पॉइंट के माध्यम से सभी कार्मिकों को गहन प्रशिक्षण दिया। आयोजित प्रशिक्षण में दोनों पालियों में कुल मिलाकर 228 कर्मचारी (57) टीम को प्रशिक्षण दिया गया। इस अवसर पर समस्त संबंधित मौजूद रहे।

कोर्ट में पेश हुए चौधरी नरेश टिकैत, जमानत पर रिहा

मुजफ्फरनगर। 14 साल पुराने एक मामले में सहारनपुर जनपद के विशेष एमपी-एमएलए कोर्ट द्वारा भारतीय किसान यूनियन के राष्ट्रीय अध्यक्ष चौ. नरेश टिकैत के खिलाफजारी किये गये गिरफ्तारी वारंट

को लेकर शुक्रवार को दो जिलों में भारी हलचल नजर आई। कोर्ट के आदेश पर भाकियू अध्यक्ष नरेश टिकैत हजारों किसानों के काफिले के साथ सहारपुर पहुंचे और कोर्ट में अपनी पेशी दर्ज कराई, जहां उनकी जमानत अर्जी को स्वीकार करते हुए कोर्ट ने उनको सशर्त जमानत दे दी है। अदालत ने मुकदमे की सुनवाई के दौरान उनको नियमित पेशी दर्ज कराने की हिदायत दी है। इस दौरान भाकियू नेताओं ने सहारनपुर कचहरी में पूरी तरह से कब्जा जमाकर टैंट लगाते हुए भण्डारा भी किया। भट्टी लगाकर वहीं पर भोजन तैयार किया गया था। नरेश टिकैत ने कहा कि वो अदालत और कानून का सम्मान करते हैं, लेकिन पुलिस प्रशासन को भी समाज के जिम्मेदार लोगों के खिलाफ सम्मान प्रदर्शित करना चाहिए, मीडिया के सहारे उनको बदनाम न किया जाये। बता दें कि सहारनपुर जनपद के सरसावा थाने में 20 मई 2010 को पुलिस की ओर से एक मुकदमा दर्ज कराया गया था, इसमें आरोप था कि किसानों ने अपनी समस्याओं को लेकर राष्ट्रीय राजमार्ग पर धरना देते हुए यातायात जाम कर दिया था। थाने का भी घेराव किया गया। 14 साल पुराने इस मामले में वर्तमान में कांग्रेस के टिकट पर सहारनपुर लोकसभा सीट से चुनाव लड़े इमरान मसूद, के साथ ही भाकियू अध्यक्ष नरेश टिकैत, वीरेंद्र, राज सिंह, राजकुमार, सुशील चौधरी, मुकेश चौधरी, ओमी पंवार, वीरेंद्र शास्त्री, सलमान मसूद, अब्दुल वाहिद, प्रदीप, राजपाल, वीरेंद्र सिंह, प्रवेश गुर्जर, प्रीतम सिंह, जसंवत, मेला राम पंवार, पप्पू, वीरेंद्र, चरण सिंह, अशोक, बलजीत सिंह और अशोक चौधरी नामजद किए गए थे। इस मुकदमे में अदालत में पेश होकर इमरान मसूद और अन्य कई आरोपी अब तक जमानत करा चुके हैं। आरोपियों पर धारा 147, 283 और 341 आईपीसी में मुकदमा दर्ज किया गया था। इस मुकदमे की सुनवाई के लिए अदालत में हाजिर नहीं होने पर भाकियू अध्यक्ष चौधरी नरेश टिकैत की गिरफ्तारी के आदेश जारी करते हुए एसएसपी सहारनपुर को आदेश दिए थे कि 24 मई को नरेश टिकैत को गिरफ्तार कर अदालत में पेश किया जाए। प्रकरण के समय चौधरी नरेश टिकैत भाकियू के अध्यक्ष नहीं थे। वह प्रतिनिधि के तौर पर सम्मेलन में शामिल होने गए थे। इस मामले में भाकयू सुप्रीमो नरेश टिकैत के गिरफ्तारी वारंट जारी होने से संगठन में भारी रोष नजर आया और भाकियू जिलाध्यक्ष योगेश शर्मा के नेतृत्व में शुक्रवार को सुबह से ही किसानों ने रोहाना टोल पर पहुंचकर सहारनपुर कूच की तैयारी की। योगेश शर्मा का कहना था कि 14 वर्ष पूर्व दर्ज हुए मुकदमें में न्यायालय द्वारा ना कोई नोटिस भेजा गया, ना ही कोई सूचना प्रेषित की गई और अब अचानक से 24 मई को अदालत में पेश होने को कहा गया और हाजिर नहीं होने पर गिरफ्तारी के आदेश जारी किए गए। उन्होंने कहा कि अब यूनियन के सभी पदाधिकारी और कार्यकर्ता किसानों के साथ रोहाना टोल पर नरेश टिकैत पहुंचे और वहां से सहारनपुर कोर्ट जाकर पेशी दर्ज कराई। बताया गया है कि कोर्ट द्वारा नरेश टिकैत की जमानत अर्जी स्वीकार करते हुए उनको जमानत दे दी और सुनवाई के दौरान कोर्ट में उपस्थित रहने के निर्देश भी दिये हैं।

रोटरी क्लब शिखर ने बुध पूर्णिमा पर किया शरबत का वितरण

मुजफ्फरनगर। रोटरी क्लब शिखर द्वारा बुद्ध पूर्णिमा के अवसर पर जानसठ रोड स्थित भगवती बेंकट हॉल पर ठंडे शीतल जल छबील लगा कर किया मीठा जल वितरण। चिलचिलाती गर्मी में जहा आम जन गर्मी, धूप के पारकोप के चलते जीना दुसवार हुआ वही आज रोटरी शिखर द्वारा बुध पूर्णिमा के अवसर पर मीठे शुद्ध जल छबील लगाकर आपने कार्यों से जा रहे राहगीरों को ठंडा मीठा जल वितरण कर राहगीरों, जनमानस को तपती धूप, चिलचिलाती गर्मी से राहत दिलाने का अच्छा कार्य किया। ठंडा मीठा जल ग्रहण कर आम जनमानस ने रोटरी परिवार को साधुवाद दिया। इस अवसर पर क्लब अध्यक्ष पंकज त्यागी, क्लब कोषाध्यक्ष रोहित जैन, कुलदीप त्यागी, मुमिंदर तायल, आवेश चौधरी, बाबूराम, रोहित गर्ग आदि का भरपुर सहयोग रहा।

Mobile : 9811021565
AJAY K. AGARWAL
ADVOCATE SUPREME COURT
Off : 4, Firozshah Road Near Janpath
New Delhi-110001 Telefax : 23317927
E-mail : advocate_ajay@yahoo.co.in
Resi : 220, Kailash Hills, East of Kailash
New Delhi 110065
Tel : 26391886, 51622118, 26321498

Suresh Bhatia
Deepak Bhatia
BHATIA SALT INDUSTRIES
18-A, New Mandi, Muzaffarnagar
Ph.: (0131) (0) 2608955,2604355
(R) 2608355,3205527
M: 9837008303,9837008304
9927700000 Fax: 2603696
Branch Office:
107-A, L.I.G. Flat, Motia Khan
Pahar Ganj, Delhi-55
Ph. (011) 23548110
M: 09810298202

Shehbaz khan 9997441487
Fahad Khan 9997441482
Khan Ply Traders
All kind Glasses, Ply, Miror, Flush, Door Etc.
Job Work on Glass
321, Abkari Road, Muzaffarnagar

bindals
Sushil Agarwal
Director
Tehri
PULP & PAPER LIMITED
WORKS
9th Km Stone, Bhopa Road, Muzaffarnagar - 251001.
0131-2468383, 2468384, 2468385 Fax : 2468386
E-mail : tehripaper@rediffmail.com

अब चार लोग टोपी पहनकर जमीन पर कब्जा नहीं कर पाते हैं : मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ

लखनऊ। उत्तर प्रदेश की महाराजगंज लोकसभा सीट के बीजेपी प्रत्याशियों के लिये 24 मई को मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ का महाराजगंज आगमन हुआ। यहां उन्होंने जम कर समाजवादी पार्टी पर हमला किया और योगी ने कहा कि अब आपका रुपया कब्रिस्तान में नहीं देश के विकास में खर्च हो रहा है। पहले की सरकारों में चार लोग टोपी पहन कर गरीबों की भूमि कब्जा कर लेते थे। अब ऐसा संभव नहीं है। देश के अंदर मुसलमान धर्म के आधार पर आरक्षण पाने का हकदार नहीं हो सकता है। डा. बाबा साहब भीम राव आंबेडकर ने कहा था कि धर्म के आधार पर आरक्षण देश के विभाजन जैसा है। कांग्रेस का घोषणापत्र पढ़ेंगे तो इसमें साजिश की गई है। प्रधानमंत्री के नेतृत्व में भगवान राम का मंदिर व काशी विश्वनाथ सज गया है। मथुरा की तरफ हम लोग बढ़ गए हैं। यह सिर्फआप के वोट के कारण संभव हो सका है।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने 24 मई

को महाराजगंज के फरेंदा कस्बे में भाजपा प्रत्याशी पंकज चौधरी के पक्ष में जनसभा को संबोधित करते हुए कहा कि पांच चरणों के चुनाव के बाद यह साफ हो चुका है कि देश में एक बार फिर मोदी सरकार बनने जा रही है। 400 पार के नारे से इंडी गठबंधन को चक्कर आने लगता है। जनता स्पष्ट रूप से कह रही है कि जो राम को लाएं हैं, हम उनको लाएंगे। एक तरफ प्रभु राम के प्रेमी हैं तो दूसरी तरफराम द्रोही। उन्होंने कहा कि कांग्रेस ने राजनीति के लिए देश की बहुत क्षति की है। पहले इन्होंने देश का विभाजन किया, इसके बाद जाति के नाम पर समाज को बांटने का काम कर रहे हैं। योगी ने कहा कि कांग्रेस के नेतृत्व में जो गठबंधन बना है वह बाबा साहब डा. भीमराव आंबेडकर का विरोधी रहा है। अपने स्वार्थ के लिए संविधान के साथ छेड़छाड़ करने की फितरत कांग्रेस की रही है। इमरजेंसी इन्हीं की देन है।

योगी ने कहा कि पश्चिम बंगाल में पूरा आरक्षण मुलसमानों को दे दिया था। जिसे सुप्रीम कोर्ट ने खारिज कर दिया है। प्रधानमंत्री के नेतृत्व में राम के युग की अयोध्या बन गई है। यह काम कांग्रेस और सपा के लोग नहीं कर पाते। आनंदनगर से लेकर घुघली तक रेल लाइन निर्माण की प्रक्रिया आरंभ हो गई है। 2017 से पहले सड़कें बेकार थीं, आज बेहतर सड़कों पर आप चल रहे हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि विकास के साथ देश का सम्मान भी बढ़ा है। कांग्रेस की सरकार में आतंकी घटनाएं होती थी, तो वह कहते थे कि आतंकी सीमा पार के हैं। आज अगर पटाखा भी तेज आवाज में फटता है, तो पाकिस्तान पहले ही जवाब दे देता है कि साहेब इसमें मेरा हाथ नहीं है। यह लोग तो आज भी पाकिस्तान की दुहाई दे कहते हैं कि पाकिस्तान को कुछ मत बोलो, उसके पास एटम बम है। क्या हमने उसे फ्रीज में रखने के लिए बनाया है। नया भारत किसी को छेड़ता नहीं है और जो छेड़ता है उसे छोड़ता भी नहीं है। कांग्रेस कहती है, कि हम आएंगे तो एससी और ओबीसी का आरक्षण मुसलमानों को बांटेंगे। यह कहते हैं कि पर्सनल ला लाएंगे, इसका मतलब होता है देश में तालिबानी शासन लागू करेंगे। सभा को केंद्रीय वित्त राज्य मंत्री व भाजपा प्रत्याशी पंकज चौधरी ने भी संबोधित किया। महाराजगंज में आखिरी चरण में 01 जून को मतदान होना है।

मतगणना की तैयारियों को लकर जिलाधिकारी ने की समीक्षा बैठक

☐प्रत्याशियों व राजनीतिक दलों को दिये मतगणना एजेंट की सूची निर्वाचन कार्यालय को उपलब्ध कराने के निर्देश

मुजफ्फरनगर। जिला प्रशासन ने अब लोकसभा चुनाव के लिए चार जून को प्रस्तावित मतगणना की तैयारियों के लिए कवायद शुरू कर दी है। डीएम अरविंद मल्लप्पा बंगारी ने बुधवार को राजनीतिक दलों के लोगों और प्रत्याशियों के साथ मीटिंग करते हुए मतगणना की व्यवस्था की जानकारी दी इसके साथ ही उन्होंने सभी एसडीएम और सहायक रिटर्निंग ऑफीसर के साथ भी मीटिंग करते हुए मतगणना के दौरान पूरी तरह से निष्पक्ष रहने पर जोर दिया। बता दें कि जनपद की छह विधानसभा सीटों पर मुजफ्फरनगर और बिजनौर संसदीय सीटों के लिए पहले चरण में 19 अप्रैल को मतदान सम्पन्न हुआ था। अभी तक सात में पांच चरणों का मतदान पूर्ण हो चुका है। चार जून को मतगणना का दिन निर्धारित किया गया है। इसमें जनपद की छह विधानसभा क्षेत्रों की मतगणना नवीन मंडी स्थल पर कराई जायेगी। जिसके लिए जिला प्रशासन ने तैयारी तेज कर दी हैं। इसी को लेकर बुधवार को कचहरी स्थित जिला पंचायत सभागार में जिलाधिकारी अरविंद मल्लप्पा बंगारी ने अधिकारियों और राजनीतिक दलों, प्रत्याशियों तथा उनके प्रतिनिधियों के साथ मीटिंग करते हुए मतगणना के लिए निर्वाचन आयोग द्वारा तय किये गये दिशा निर्देशों और व्यवस्था के सम्बंध में जानकारी दी। प्रत्याशियों व राजनीतिक दलों से अपने मतगणना एजेंट की सूची निर्वाचन कार्यालय को उपलब्ध कराने के लिए कहा गया है। साथ ही अधिकारियों और सहायक रिटर्निंग ऑफीसरों को भी मतगणना के दौरान पूरी तरह से निष्पक्ष बने रहने और सतर्कता के साथ ड्यूटी करने का पाठ पढ़ाया गया है। उन्होंने मतगणना स्थल नवीन मंडी स्थल पर मतगणना के दिन होने वाली तैयारियों और व्यवस्था को लेकर बिन्दूवार जानकारी दी और सभी व्यवस्था समय से पूर्ण करने के निर्देश दिये। उन्होंने अधिकारियो को मतगणना स्थल पर

बेरीकेडिंग, पानी, भोजन, सुरक्षा व्यवस्था, एंट्री गेट, पार्किंग, मतगणना स्थल के अंदर टेबल चेकिंग से संबंधित सभी बिन्दुओं पर आयोग के दिशा निर्देशों के तहत कार्य करने पर बल दिया। बैठक में बसपा प्रत्याशी दारा सिंह प्रजापति, इलम सिंह गुर्जर, सपा नेता साजिद हसन के अलावा अन्य प्रतिनिधि व प्रत्याशी के साथ ही सीडीओ संदीप भागिया, एडीएम नरेंद्र बहादुर सिंह, एडीएम वित्त गजेन्द्र सिंह, एसपी सिटी सत्यनारायण प्रजापत, एसपी क्राइम प्रशांत कुमार, एसपी देहात आदित्य बंसल,सिटी मजिस्ट्रेट विकास कश्यप, एसडीएम बुढ़ाना मोनालिसा जोहरी, एसडीएम खतौली अपूर्वा यादव, एसडीएम एआरओ पुरकाजी निकिता शर्मा, एसडीएम जानसठ सुबोध कुमार, एसडीएम सदर परमानंद झा, तहसीलदार संजय कुमार, नगरपालिका ईओ डॉ. प्रज्ञा सिंह के साथ साथ खाद्य विभाग, आबकारी विभाग, समाज कल्याण, बिजली विभाग, पीडब्ल्यूडी, फायर बिग्रेड विभाग, आपूर्ति विभाग, निर्वाचन कार्यालय के अधिकारी और कर्मचारी भी मौजूद रहे।

ममता के खिलाफ बीच चुनाव सड़कों पर क्यों उतरे साधु? हो रही माफी मांगने की मांग

कोलकाता। विभिन्न हिंदू धार्मिक संगठनों के कुछ सौ भिक्षुओं ने शुक्रवार को कोलकाता और उत्तरी बंगाल के सिलीगुड़ी शहर में मार्च निकाला, पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी की उस टिप्पणी का विरोध किया जो उन्होंने पिछले सप्ताह भिक्षुओं के एक वर्ग पर चल रहे लोक सभा में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की मदद करने का आरोप लगाया था। भारत सेवाश्रम संघ के कार्तिक महाराज, जिनका नाम विशेष रूप से तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) अध्यक्ष ने लिया था, को कोलकाता में शुक्रवार के विरोध प्रदर्शन में सबसे आगे देखा गया। विरोध प्रदर्शन में कई भाजपा नेताओं को भी देखा गया, हालांकि पार्टी ने आधिकारिक तौर पर खुद को दूर रखा। कार्तिक महाराज ने मीडिया से कहा कि ममता बनर्जी ने पूरे तपस्वी समाज का अपमान किया है। भिक्षु इसे स्वीकार नहीं करेंगे। 18 मई को एक अभियान रैली को संबोधित करते हुए, बनर्जी ने कहा कि मेरे मन में भिक्षुओं के प्रति बहुत सम्मान है लेकिन उनमें से सभी एक जैसे नहीं हैं। भारत सेवाश्रम संघ की एक इकाई बेरहामपुर (एक लोकसभा सीट) में है। मैंने बहुत समय से एक महाराज (साधु) के बारे में सुना

है। इनका नाम है कार्तिक महाराज। उन्होंने कहा कि वह किसी भी टीएमसी चुनाव एजेंट को मतदान केंद्रों में प्रवेश की अनुमति नहीं देंगे। मैं उन्हें साधु नहीं मानता क्योंकि वह सीधे तौर पर राजनीति से जुड़े हुए हैं। वह देश को बर्बाद कर रहे हैं। भारत सेवाश्रम संघ के प्रति मेरे मन में बहुत सम्मान है। बनर्जी की टिप्पणियों के बाद, 20 मई को साधु ने सीएम को बिना शर्त माफी मांगने के लिए कानूनी नोटिस भेजा। विरोध प्रदर्शन का समर्थन करते हुए, बंगाल भाजपा के मुख्य प्रवक्ता समिक भट्टाचार्य ने कहा कि भिक्षु सदियों से हमारे समाज के स्तंभ रहे हैं। बनर्जी ने जानबूझकर मुस्लिम कट्टरपंथियों, जो उनके वोट बैंक हैं, को संदेश देने के लिए उनका अपमान किया। भिक्षु यह सहन नहीं कर सकते कि कोई उनकी आस्था को ठेस पहुँचाए। उनमें से कई लोगों ने राम मंदिर आंदोलन के दौरान अपने जीवन का बलिदान दिया।

कोविड-19 के नए वेरिएंट FLiRT ने दी दस्तक, इन राज्यों में फैला वायरल, जानें कितनी बढ़ सकती है परेशानी

नई दिल्ली। कोरोना वायरस का खतरा अब तक पूरी तरह से खत्म नहीं हुआ है। कोरोना वायरस का नया वेरिएंट देश में दस्तक दे चुका है, जिससे स्वास्थ्य विभाग अलर्ट मोड में आ गया है। कोरोना वायरस का ये नया वेरिएंट तेजी से भारत में पैर पसार रहा है। इस नए वेरिएंट के अब तक देश में 324 मामले दर्ज हुए है। इनमें से केपी.2 के मामले 290 और केपी.1 के मामले 34 सामने आए है। इन दोनों ही सब वेरिएंट को सामुहिक तौर पर FLiRT का नाम दिया गया है। बता दें कि FLiRT ओमिक्रॉन के सब वेरिएंट में शामिल है। केपी.1 और केपी.2 दोनों ही इसमें शामिल है। माना जा रहा है कि ओमिक्रॉन के सब वेरिएंट श्रछ.1 के वंशज ही केपी.1 और केपी. 2 है। ओमिक्रॉन के इस वेरिएंट ने जमकर लोगों को अपना शिकार बनाया था।

विश्व स्वास्थ्य संगठन की मानें तो वैश्विक स्तर पर कोरोना वायरस का जेएन 1 वेरिएंट और इसके दोनों नए सबवेरिएंट चर्चा में आ गए है। केपी.2 वेरिएंट को विश्व स्वास्थ्य संगठन ने मॉनिटर करने के निर्देश भी दिए है। बता दें कि नए वेरिएंट आने से कोरोना वायरस के नए मामलों में बढ़ोतरी हो रही है। हालांकि अब तक अस्पताल में भर्ती होने के मामले दर्ज नहीं हुए है। ये भी कहा जा रहा है कि ये वायरस म्यूटेशन तेजी से

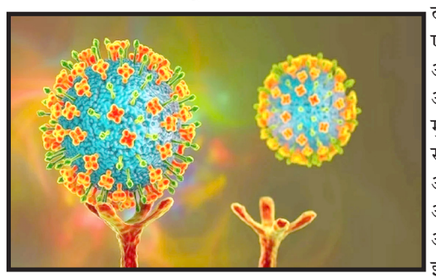

करेगा क्योंकि ये सारस-कोव2 जैसे नेचर का वायरस है। केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय के सूत्रों ने 'पीटीआई-भाषा' को बताया कि ये दोनों जेएन1 स्वरूप के उप स्वरूप हैं और इनका संबंध अस्पताल में भर्ती होने के मामलों और गंभीर रूप से बीमार होने से नहीं है। इसलिए चिंतित होने या घबराने का कोई कारण नहीं है। आईएनएससीओजी द्वारा संकलित आंकड़ों के मुताबिक केपी.1 के कुल 34 मामले सात राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों में सामने आए जिनमें से 23 मामले अकेले पश्चिम बंगाल में दर्ज किए गए। आंकड़ों के मुताबिक इस उप स्वरूप का गोवा में एक, गुजरात में दो, हरियाणा में एक, महाराष्ट्र में चार, राजस्थान में दो और उत्तराखंड में एक मामला सामने आया। आईएनएससीओजी के मुताबिक केपी.2 उप स्वरूप के 290 मामले आए हैंय जिनमें से सबसे अधिक 148 मामले अकेले महाराष्ट्र के हैं। इसके अलावा दिल्ली में एक, गोवा में 12, गुजरात में 23, हरियाणा में तीन, कर्नाटक में चार, मध्य प्रदेश में एक, ओडिशा में 17, राजस्थान में 21, उत्तर प्रदेश में आठ, उत्तराखंड में 16 और पश्चिम बंगाल में 36 लोग इस उप स्वरूप से संक्रमित हुए। सिंगापुर में हाल के दिनों में कोविड-19 की लहर देखने को मिली है और पांच से 11 मई के बीच केपी.1 और केपी.2 उप स्वरूप से संक्रमण के 25,900 मामले सामने आए हैं। यह सिंगापुर में कुल संक्रमण के मामले का दो तिहाई है।

अब गरीब भक्त के दो लड्डूओं का भी भोग स्वीकारेंगे बाला जी

मुजफ्फरनगर। श्री बालाजी धाम मंदिर सेवा समिति भरतिया कालोनी नई मण्डी में स्वामित्व को लेकर चल रहे विवाद पर शनिवार को पूर्ण विराम लग गया। नई कमेटी का निर्विरोध निर्वाचन और इसके बाद मंदिर परिसर में ही शपथ ग्रहण समारोह होने के बाद अब भक्तों और मंदिर के हित में नई व्यवस्थाओं को लागू किया गया है। जिन मुद्दों को लेकर बीते दिनों विवाद सार्वजनिक हुआ, उन सभी मामलों में श्री घाटा मेहन्दीपुर बालाजी धाम में अपनाई जा रही व्यवस्थाओं को यहां पर भी लागू करने का निर्णय लिया गया है, इसमें गरीब भक्तों का दो लड्डुओं का भोग भी श्री बालाजी के लिए मंदिर में स्वीकार किया जायेगा तो वहीं मंदिर के गर्भगृह में विराजमान श्री बालाजी के समक्ष केवल ब्राह्मणों को ही प्रवेश की अनुमति दी गई है, अन्यों पर प्रतिबंध लगाया गया है। इसके साथ ही अन्य व्यवस्थाओं को लेकर भी कमेटी में एकजुटता जाहिर हुई है। नई मंडी स्थित श्री बालाजी धाम मंदिर में शनिवार को पत्रकार वार्ता के दौरान श्री बालाजी धाम मंदिर सेवा समिति के नवनिर्वाचित पदाधिकारियों और अन्य सेवादारों ने उपस्थित रहकर अपनी बात जाहिर की। मंदिर सेवा समिति के संरक्षक चन्द्रकिरण गर्ग गुरूजी भी उपस्थित रहे। उन्होंने कहा कि पिछले दिनों जो कुछ भी हुआ, उसको भूलकर अब आगे बढ़ने का समय है। यहां पर बड़ों का सम्मान बना रहे, इस बात पर ज्यादा ध्यान देने की आवश्यकता है। हम सभी मंदिर और भक्तों के साथ ही धर्म की रक्षा के लिए मिलकर काम करें, यही श्री बालाजी का आदेश है। मंदिर समिति में नवनिर्वाचित अध्यक्ष हरिशंकर तायल ने कहां की वर्ष 2024 का चुनाव निर्विरोध संपन्न हो गया है। इसके साथ ही गत दिवस शपथ ग्रहण समारोह भी किया गया। शपथ ग्रहण समारोह में समाजसेवी भीमसेन कंसल, व्यापारी नेता संजय मित्तल ने नवनिर्वाचित कार्यकारिणी को शपथ ग्रहण कराई। इसके बाद मंदिर समिति की एक बैठक चंद्र किरण गर्ग गुरूजी की अध्यक्षता में हुई, जिसमें मंदिर के संचालन के लिए व्यवस्था बनाने पर विचार विमर्श किया गया। इसमें सभी ने अपने सुझाव भी दिये। जिनके आधार पर श्री बालाजी धाम मंदिर भरतिया

कालोनी में कुछ नये नियमों को लागू किया जा रहा है। ताकि यहां पर प्रत्येक भक्त का सम्मान बना रहे और मंदिर की भी सुरक्षा रहे। उन्होंने बताया कि प्रमुख तौर पर चार नई व्यवस्था यहां पर अब लागू की गई हैं। इनमें तय हुआ कि यहां पर भी श्री घाटा मेहन्दीपुर बालाजी धाम की तमाम व्यवस्था लागू रहेंगी। मन्दिर के गर्भगृह में केवल विशेष पर्वों को छोड़कर भोग आदि सेवा के लिए केवल मंदिर के पुजारियों के द्वारा ही दी जायेगी। ब्राह्मणों के अलावा यहां पर अन्यों के प्रवेश पर प्रतिबंध लगाया गया है। मंदिर के नवीनीकरण का कार्य अतिशीघ्र शुरू किया जायेगा, इसके लिए भक्त दान दे सकते हैं। बाबा का भोग भक्तजन अपने घर से बनाकर ला सकेंगे और बाबा के चरणों में अर्पण करेंगे। यहां तक की यदि कोई दो लड्डुओं का भोग लायेगा, वो भी चढ़ाया जायेगा, पहले ऐसा नहीं था। नकली घी वाली व्यवस्था को बन्द किया गया है। बता दें कि मंदिर समिति में विवाद के कारण दो गुट हो गये थे। रजिस्ट्रार फर्म एवं सोसायटी सहारनपुर के समक्ष नवीन कार्यकारिणी का चुनाव सम्पन्न हुआ, जिसमें श्री बालाजी धाम मंदिर सेवा समिति में चंद्र किरण गर्ग और सुरेश चंद बंसल संरक्षक बने हैं। हरिशंकर तायल प्रधान, राकेश अरोरा एवं अश्वनी कुमार उपप्रधान प्रधान, कुलदीप मंत्री, विजय बंसल उप मंत्री, सुनील तायल कोषाध्यक्ष, अमित कुमार प्रचार मंत्री, संजीव कुमार उप प्रचार मंत्री, आदेश कुमार कानूनी सलाहकार निर्वाचित हुए हैं। इसके अलावा कार्यकारिणी सदस्य के रूप में हरिशंकर मून्धडा, राम निवास मित्तल, जयप्रकाश गोयल, सुरेन्द्र बंसल, अशोक शर्मा, श्याम सुन्दर, मुकेश कुमार, पियूष बंसल, दिव्य बंसल, रविन्द्र कुमार, सुनील अरोरा और चन्द्र किशोर को शामिल किया गया है।